शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 231 | गुवाहाटी | बुधवार, 20 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अब पोस्टल बैलेट के जरिए पत्रकार डाल सकेंगे वोट : ईसी पेज 2
लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अगप भाजपा प्रवक्ताओं की संयुक्त बैठक पेज 3
लोस चुनाव : उत्तर प्रदेश की 48 सीटों पर हैट्रिक लगाना है भाजपा का लक्ष्य पेज 5
ओह गुरु, हो जा शुरू, कमेंट्री करने लौटा शेर और शायरी का बादशाह ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

**सुप्रभात**

*अविनीत व्यक्ति को स्नेही होने पर भी मंत्रणा में नहीं रखना चाहिए।*

- आचार्य चाणक्य

## न्यूज गैलरी

### बंगाल के छह लोस क्षेत्र संवेदनशील

**कोलकाता (हि.स.)।** चुनाव आयोग ने राज्य के छह लोकसभा क्षेत्रों को *आर्थिक रूप से संवेदनशील* घोषित किया है। आयोग ने केंद्र और राज्यों की 22 जांच एजेंसियों को उन इलाकों पर निगरानी रखने को कहा है। आयोग की *वित्तीय रूप से संवेदनशील* केंद्रों की सूची में दार्जिलिंग, मालदा उत्तर और दक्षिण, आसनसोल, बनगांव और कोलकाता -शेष पृष्ठ दो पर

### सोरेन की भाभी भाजपा में

**नई दिल्ली (हि.स.)।** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की पूर्व विधायक सीता सोरेन ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में झारखंड के प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी और महासचिव विनोद तावड़े की मौजूदगी में सीता सोरेन को पार्टी की सदस्यता दिलाई और भाजपा परिवार में स्वागत किया गया। इस अवसर पर सीता सोरेन ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

# गुवाहाटी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में दूसरे स्थान पर

**गुवाहाटी /नई दिल्ली।** आईक्यूएयर की 2023 विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार, गुवाहाटी ने विश्व स्तर पर दूसरा सबसे प्रदूषित शहर होने का अविश्वसनीय स्थान हासिल किया है। गुवाहाटी में औसत वार्षिक पीएम2.5 सांद्रता 105.4 दर्ज की गई, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुशंसित स्तर से दस गुना अधिक है। शहर में प्रदूषण के स्तर में वृद्धि के लिए विभिन्न कारकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें बढ़ती निर्माण गतिविधियों के कारण धूल प्रदूषण में वृद्धि और वाहन यातायात में वृद्धि शामिल है। बिहार का बेगुसराय दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर के रूप में शीर्ष स्थान पर है, जबकि दिल्ली, मुल्लांपुर और लाहौर शीर्ष पांच में हैं। एक चिंताजनक प्रवृत्ति में, दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की रैंकिंग में दस में से नौ शहर भारत के थे और 42 भारतीय शहरों ने शीर्ष 50 में जगह बनाई। यह कठोर वास्तविकता भारत में वायु गुणवत्ता के संबंध में गंभीर चिंताओं को रेखांकित करती है, जिससे देश तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रदूषित बांग्लादेश और पाकिस्तान ही पीछे हैं। रिपोर्ट में वायु प्रदूषण के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है और मानव स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े पर्यावरणीय खतरे के रूप में इसकी -शेष पृष्ठ दो पर

## सोनोवाल ने किया कृष्णगुरु सेवाश्रम का दौरा

**गुवाहाटी।** केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने आज कृष्णगुरु आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित किया और उनसे राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। सोनोवाल ने कहा कि यह युवा शक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के सपने को नए उत्साह के साथ आगे बढ़ाएगी। डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले, सोनोवाल ने आज नसत्र में कृष्णगुरु सेवाश्रम का दौरा किया और प्रार्थना की। केंद्रीय मंत्री नसत्र पहुंचे और स्वर्ण कुर में नाम जप कर परमगुरु कृष्णगुरु ईश्वर को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने गुरु कृष्ण प्रेमानंद प्रभु, भक्ति मात्रा कुंतला -शेष पृष्ठ दो पर

### बंगलूरू में जिलेटिन स्टिक, डेटोनेटर और दूसरे विस्फोटक बरामद

**बंगलूरू।** कर्नाटक पुलिस को अशांति फैलाने के नापाक मंसूबे पर पानी फेरने में सफलता मिली है। ट्रैक्टर में लदी जिलेटिन स्टिक के साथ डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक बड़ी मात्रा में बरामद होने की सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट के मुताबिक कर्नाटक में बेलंदूर पुलिस थाना क्षेत्र में एक स्कूल के सामने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों के लिए बनाए गए अस्थायी शेड के पास जिलेटिन की छड़ें बरामद हुई हैं। पुलिस मामला -शेष पृष्ठ दो पर

## जीयू की अप्रिय घटना अभाविप ने दर्ज कराई प्राथमिकी

**गुवाहाटी (हि.स.)।** गौहाटी विश्वविद्यालय (जीयू) में सोमवार घटित अप्रिय घटना के बाद आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जालुकबाड़ी पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। अभाविप ने इस संदर्भ में करीब 10 शिकायते दर्ज कराई है। अभाविप ने आरोप लगाया है कि बीते सोमवार को विश्वविद्यालय के विरींची कुमार प्रेक्षागृह में अभाविप द्वारा आयोजित राज्य छात्र नेता सम्मेलन के दौरान अखिल असम छात्र संघ (आसू) और एनएसयूआई के समर्थकों ने हंगामा किया और अभाविप के समर्थक विद्यार्थियों -शेष पृष्ठ दो पर

## अरुणाचल पर *बेतुके* चीनी दावे को लेकर भड़का भारत

**नई दिल्ली।** अरुणाचल प्रदेश पर चीन के *बेतुके दावों* को विदेश मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि बार-बार इस संबंध में निराधार तर्क दोहराने से ऐसे दावों को कोई वैधता नहीं मिलती है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहेगा। जयसवाल का बयान चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग की टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में आया है। दरसअल, चीनी प्रवक्ता ने अरुणाचल प्रदेश पर बीजिंग के दावे को दोहराया और इस क्षेत्र को चीन के क्षेत्र का स्वाभाविक हिस्सा बताया था। जब झांग से अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग के माध्यम से भारत की सैन्य तैयारी बढ़ाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि जिजांग का दक्षिणी भाग (तिब्बत का चीनी नाम) -शेष पृष्ठ दो पर

## सीएए पर एससी ने केंद्र से मांगा जवाब, अगली सुनवाई 6 अप्रैल

**नई दिल्ली।** नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से समय मांगा। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि यह (सीएए) किसी भी व्यक्ति की नागरिकता नहीं छीनता है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि उन्हें उन आवेदनों पर जवाब देने के लिए कुछ समय चाहिए, जिसमें शीर्ष अदालत द्वारा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं का निपटारा होने तक नियमों पर रोक लगाने की मांग की गई है। इस पर मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने केंद्र को तीन सप्ताह का समय दिया और कहा कि अदालत इस मामले पर 9 अप्रैल को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत विवादास्पद कानून से जुड़ी 200 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसे संसद द्वारा मंजूरी दिए जाने के लगभग चार साल बाद 15 मार्च को लागू किया गया था। याचिकाओं में सीएए और नागरिकता संशोधन नियम 2024 के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग की गई है। पिछले हफ्ते, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष केरल स्थित इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) द्वारा दायर एक याचिका का उल्लेख करते हुए कहा था कि विवादास्पद कानून को लागू करने का केंद्र का कदम संदिग्ध था क्योंकि -शेष पृष्ठ दो पर

## पाकिस्तान पर तालिबान का तीन दिशाओं से हमला

**काबुल।** पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों में फिर से कड़वाहट बढ़ गई है। दोनों मुल्कों के बीच फिर से तनाव चरम पर पहुंच गया है। सोमवार तड़के पाकिस्तानी एयरफोर्स ने अफगानी सरजमीं में घुसकर खूनी खेल खेला। इसके जवाब में अफगानिस्तान ने भी 24 घंटे के भीतर ही पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। बताया जा रहा है कि तालिबानी सेना ने अपनी तोपों को पाकिस्तानी सीमा की ओर मोड़ दिया है। इसके साथ ही जोरदार गोलाबारी शुरू कर दी है। दावा किया जा रहा है कि तालिबान सैनिकों ने पाकिस्तान से लगते बॉर्डर डूरंड लाइन से तीन सीमा चौकियों पर जोरदार हमला बोला है। पाकिस्तान पर तीन दिशाओं से अफगानिस्तान ने हमला बोल दिया है। तालिबानी सैनिकों ने भारी हथियारों और तोपों की मदद से तुर्रम, उत्तरी वजीरिस्तान और दक्षिणी वजीरिस्तान की तरफ से पाकिस्तान -शेष पृष्ठ दो पर

## दस किलो मटन की वजह से महिला की पड़ी रही लाश

**भुवनेश्वर।** ओडिशा में सामूहिक भोज न देने पर बुजुर्ग महिला का दो दिन तक अंतिम संस्कार नहीं हो सका। उसकी लाश 10 किलो मटन की वजह से घर में पड़ी रही। सामूहिक भोज न देने की वजह से ग्रामीणों ने महिला के अंतिम संस्कार में भाग लेने से मना कर दिया। मृतक महिला के बेटे ने जब मटन का इंतजाम किया तब कही जाकर अंतिम संस्कार हो सका। मानवता को शर्मसार करने वाली यह घटना मयूरभंज की है। गांव में अंतिम संस्कार में सामूहिक -शेष पृष्ठ दो पर

## कृष्ण जन्मभूमि विवाद का सुप्रीम कोर्ट ने किया निपटारा

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में मसाजिद समिति की याचिका का निपटारा कर दिया। समिति ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने इस विवाद से जुड़े 15 मुकदमों को एक साथजोड़कर सुनवाई करने का फैसला लिया था। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने शाही मस्जिद ईदगाह की प्रबंध न्यासी समिति को इलाहाबाद हाईकोर्ट के समक्ष आदेश वापसी की याचिका दायर करने की अनुमति दी। समिति ने हाईकोर्ट के 11 जनवरी के आदेश को चुनौती दी है। पीठ ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को वापस लेने का अनुरोध किया है। हम मौजूदा विशेष अनुमति याचिका का निपटारा करते हैं और याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट -शेष पृष्ठ दो पर

## कांग्रेस के घोषणा पत्र में ओल्ड पेंशन स्कीम और जांच एजेंसियों पर कानून

**नई दिल्ली।** लोकसभा चुनाव के लिए तारीखों के एलान के बाद अब राजनीतिक पार्टियां वोटरों के लिए रणनीति बनाने में जुट गई हैं। मंगलवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक हुई। इस बैठक में घोषणा पत्र को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई। इसके साथ-साथ घोषणा पत्र में कौन से वादे को शामिल करना है इस पर भी पार्टी नेताओं के बीच में बातचीत हुई। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस इस बार के अपने घोषणा पत्र में सच्चर कमेटी, ओल्ड पेंशन स्कीम और जांच एजेंसियों पर कानून बनाने का वादा कर सकती है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के बाद पार्टी के नेता सचिन पायलट ने कहा कि आज घोषणा पत्र को लेकर बैठक हुई। हमने -शेष पृष्ठ दो पर

## कर्मचारियों के वेतन में आठ प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकती है टीसीएस

**नई दिल्ली।** मार्च खत्म होने वाला है और यह साल का वह समय है जब लोग अपने अप्रेजल का इंतजार करते हैं। हालांकि, ऐसा लगता है कि टीसीएस में कर्मचारियों को मिलने वाली औसत वेतन वृद्धि का डेटा मूल्यांकन होने से पहले ही ऑनलाइन लीक हो गया है। मामले से परिचित लोगों ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि टीसीएस आगामी वित्तीय वर्ष में अपने ऑफसाइट और ऑनसाइट कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि लागू करेगी। कहा जाता है कि टीसीएस में ऑफसाइट कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि 7-8 प्रतिशत के बीच होगी, जो मूल रूप से भारत में स्थित हैं। ऑनसाइट कर्मचारी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं, उन्हें कथित तौर पर टीसीएस में 2-4 प्रतिशत वेतन वृद्धि मिलेगी। उद्धृत सूत्र ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उच्च प्रदर्शन करने वालों को संभावित रूप से 12-15 प्रतिशत की वेतन वृद्धि मिलेगी। 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी होने वाले ये वेतन संशोधन टीसीएस की हालिया मुआवजा समीक्षा के मद्देनजर आए हैं। कंपनी की कर्मचारियों -शेष पृष्ठ दो पर

## कांग्रेस और डीएमके जान-बूझकर करते हैं हिंदू धर्म का अपमान : मोदी

**चेन्नई।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की *शक्ति* वाली टिप्पणी को लेकर *इंडिया* गठबंधन पर हमला जारी रखते हुए मंगलवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन ने इसे नष्ट करने की घोषणा कर अपने *बुरे इरादे* का प्रदर्शन किया है। मोदी ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) बार-बार हिंदुत्व का अपमान करते हैं, लेकिन किसी अन्य धर्म को निशाना नहीं बनाते। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# अब पोस्टल बैलेट के जरिए पत्रकार डाल सकेंगे वोट : ईसी

**नई दिल्ली।** देश में सफलतापूर्वक लोकसभा चुनाव कराने को लेकर चुनाव आयोग पूरी तैयारियों से लगा हुआ है। इस बीच, पोस्टल वोटिंग को लेकर चुनाव आयोग ने नई अधिसूचना जारी की है। आयोग ने इस अधिसूचना में बताया है कि अब मीडियाकर्मी भी चुनाव में अपना प्रतिभाग कर सकेंगे। आयोग ने उन्हें पोस्टल बैलेट की सुविधा देने का निर्णय लिया है। इसके मुताबिक, वोटिंग ड्यूटी में लगे सभी मीडियाकर्मी अपनी तैनाती स्थल से ही पोस्टल बैलेट के जरिए वोट डाल सकेंगे। हालांकि ये सुविधा केवल उन्हें ही मिलेगी जिनके लिए चुनाव आयोग ने प्राधिकार पत्र जारी किया है। पत्रकारों के साथ ही आवश्यक सेवाओं में लगे लोगों को भी यह सुविधा मिलेगी। चुनाव आयोग के एक प्रवक्ता ने इस बारे में बताया कि दिल्ली में जो मीडियाकर्मी मतदान के दिन कवरेज के लिए आयोग द्वारा अधिकृत हैं, वे डाक मतपत्रों के माध्यम से अपना वोट डालने के विकल्प का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र के संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से फॉर्म 12डी लेना होगा। हालांकि उनके पास मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट से भी फॉर्म डाउनलोड करने का भी विकल्प होगा। चुनाव आयोग (ईसी) ने इस सुविधा के लिए सभी राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ अपनी अधिसूचना साझा की है। गौरतलब है कि मतदान दिवस की कवरेज के लिए पत्रकारों और आवश्यक सेवाओं में लगे लोग विधानसभा चुनावों में पहले ही इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं। अब यह सुविधा लोकसभा चुनावों के लिए बढ़ा दी गई है। बता दें कि आवश्यक सेवाओं में मेट्रो, रेलवे और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों के लोग शामिल हैं।

*बांग्लादेश में भ्रष्टाचार पर बड़ा कानूनी फैसला*

# हॉलमार्क के प्रबंध निदेशक और उनकी पत्नी को उम्रकैद की सजा

**ढाका ( हि.स. )।** बांग्लादेश में मंगलवार को भ्रष्टाचार पर अहम कानूनी फैसला आया है। ढाका की एक अदालत ने सोनाली बैंक के लगभग 4,000 करोड़ रुपए के ऋण भ्रष्टाचार से संबंधित 11 मामलों में से एक में हॉलमार्क के प्रबंध निदेशक तनवीर महमूद और उनकी पत्नी जैस्मीन इस्लाम (कंपनी अध्यक्ष) को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। ढाका के विशेष न्यायाधीश कोर्ट-1 के जज मोहम्मद अबुल काशेम ने फैसले की घोषणा की। इन मामलों में जेल में बंद आरोपितों में तनवीर और उनकी पत्नी के अलावा हॉलमार्क के महाप्रबंधक तुषार अहमद, सोनाली बैंक के प्रधान कार्यालय के पूर्व जीएम मीर मोहिदुर रहमान, उप महाप्रबंधक (डीजीएम) मोहम्मद सफीउद्दीन अहमद, उप प्रबंध निदेशक (डीएमडी) मैनुल हक, एजीएम मोहम्मद कमरुल हुसैन खान और नक्शी निट के मोहम्मद अब्दुल मालेक शामिल हैं। इसके अलावा फरार आरोपितों में पैरागॉन ग्रुप के एमडी सैफुल इस्लाम राजा, सोनाली बैंक के हेड ऑफिस जीएम नानी गोपाल नाथ, हेड ऑफिस के पूर्व प्रबंध निदेशक हुमायूं कबीर, सहायक उप महाप्रबंधक एमडी सैफुल हसन, कार्यकारी अधिकारी अब्दुल मतीन, मैक्स स्पिनिंग मिल्स के मालिक मीर जकारिया, टी ऐंड ब्रदर्स के तसलीम हसन और सोनाली बैंक धानमंडी शाखा के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी मेहरुन्नेसा मैरी हैं।

## खानापाड़ा में बस ने ऑटो को मारी टक्कर, एक की मौत

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राजधानी के खानापाड़ा में हुए एक सड़क दुर्घटना में एक ऑटो चालक की मौत हो गई, जबकि अन्य दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के अनुसार सीएनजी बस (एएस-20-2558) ने सड़क किनारे खड़े ऑटो (एएस-01क्यूसी-8716) को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके चलते यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने आज बताया है कि बस को कंडक्टर चला रहा था। बस की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान हितेश कलिता के रूप में हुई है। हितेश कलिता पेशे से ऑटो ड्राइवर था। उधर, हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद से किसी भी सिटी बस को खानापाड़ा में रुकने की अनुमति नहीं दी गई है। घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऑटो ड्राइवरों के एक वर्ग की शिकायत है कि सरकारी बस के कारण उसके चालक किसी नियम को नहीं मानते हैं।

## लंका में तीन चोर गिरफ्तार

**होजाई ( हिंस )।** होजाई जिलांतर्गत लंका में लोगों ने आज एक चोर को पकड़ने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस को सौंपे जाने से पहले लोगों ने चोर की जमकर पिटाई भी की। मिली जानकारी के अनुसार लंका शहर के वार्ड नंबर 6 के पीपलपुखुरी नंबर 1 में एक व्यक्ति के घर में चोरी हुई थी। इसी सिलसिले में आज लोगों ने चोर को पकड़ लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि पकड़े गए चोर सनी के कबूलनामे के आधार पर पुलिस ने अन्य दो चोरों को पकड़ लिया। इस बीच गिरफ्तार चोरों ने चोरी की बात कबूल लिया है। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

## मिजोरम में भारी मात्रा में हेरोइन जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर जब्त

**आइजोल ( हिंस )।** मिजोरम में हेरोइन, जिलेटिन की छड़ें और डेटोनेटर जब्त किए गए हैं। मिजो पुलिस और असम राइफल्स के दो अलग-अलग संयुक्त अभियानों में चम्पाई जिले से हेरोइन और विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। मिजो पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर पड़ोसी देश म्यांमार से चम्पाई जोखोवाथर की ओर आ रहे टाटा योद्धा पिकअप वाहन की तलाशी के बाद हेरोइन से भरे 198 साबुनदानी को जब्त किए गए। साबुनदानी से कुल 2.393 किग्रा हेरोइन जब्त की गई। जब्त हेरोइन की कीमत 71 लाख 79 हजार रुपए आंकी गई है। इस संबंध में, वाहन के चालक लुंगलेई सानमारी, बी लियानसांगा और सह-चालक आर मलसाम थारा को गिरफ्तार कर लिया गया। दूसरी ओर, असम राइफल्स और मिजो पुलिस द्वारा किए गए एक अन्य अभियान में 14.110 किग्रा वजन के 110 जिलेटिन की छड़ें और 110 डिटेनेटर जब्त किए गए। बरामद विस्फोटकों को स्कूटी पर मिजोरम से म्यांमार ले जाते समय जब्त किया गया था। पुलिस ने विस्फोटक तस्करी के आरोप में म्यांमार के एक दंपति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार पति-पत्नी की पहचान बियाक्रेमा और रमथा जुआली के रूप में हुई है। मिजो पुलिस ने बताया कि दोनों म्यामांर के चिन राज्य के टियाउ खोवामावी गांव के रहने वाले हैं।

## सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राजधानी के शराईघाट पुल पर बीती रात हुए एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक बाइक चालक की मौत हो गई। जबकि एक अन्य को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने आज बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब अमीनगांव की ओर से आ रही बाइक पुल के ऊपर नियंत्रण खोने के बाद पुल की रेलिंग से जा टकरायी। पुल पर ट्रकों की मिट्टी गिरी हुई थी, जिस पर बाइक स्लिप कर गई। बाइक पर दो युवक सवार थे। दोनों को तत्काल ही अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां एक को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि, दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतक की खबर लिखे जाने तक पहचान नहीं हो सकी है।

## जोरहाट से रावण का अहंकार नहीं सच्चे राम भक्त जीतेंगे : गौरव

**शिवसागर ( हिंस )।** कांग्रेस सांसद तथा जोरहाट सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गौरव गोगोई ने कहा है कि इस बार जोरहाट सीट पर रावण का अहंकार नहीं जीतेगा। गौरव सच्चे राम भक्त हैं और वही चुनाव जीतेंगे। गौरव गोगोई यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री काल्पनिक बातें करने में माहिर हैं। उन्हें एक पॉलिटिकल थ्रिलर बनाना चाहिए। उसका निर्माता, निर्देशक और अभिनेता भी उन्हें स्वयं बन जाना चाहिए, क्योंकि उनके पास पैसे की कोई कमी नहीं है। एक प्रश्न के उत्तर में गौरव गोगोई ने कहा कि इस चुनाव में न सिर्फ जोरहाट से वे स्वयं, बल्कि सभी सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार भारी मतों से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन से परेशान लोग जिस प्रकार उनके साथ सड़कों पर निकल आए हैं, उससे यह जाहिर होता है कि लोग कांग्रेस को वोट देंगे। उन्होंने कहा कि ऊपरी असम से कांग्रेस के कई दिग्गज नेता रहे हैं। इस दौरान उन्होंने दिवंगत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अंजन दत्त, विजय कृष्ण हैंडिक, हितेश्वर सैकिया समेत कई बड़े नेताओं के नाम लिए। एक अन्य प्रश्न पर उन्होंने कहा कि जय-पराजय राजनीतिक दल नहीं, बल्कि जनता निर्धारित करती है और जनता इस चुनाव में कांग्रेस को निश्चित ही चुनेगी।

# *पृष्ठ एक का शेष*

### *गुवाहाटी दुनिया के...*

स्थिति पर जोर दिया गया है। एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में हर नौ में से एक मौत वायु प्रदूषण के कारण होती है, इसके हानिकारक प्रभाव निर्विवाद हैं। जैसा कि रिपोर्ट में बताया गया है, पीएम2.5 वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से अस्थमा, कैंसर, स्ट्रोक और फेफड़ों की बीमारी जैसी विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियां बढ़ जाती हैं। इसके अलावा यह बच्चों में संज्ञानात्मक विकास को खराब कर सकता है, मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं में योगदान दे सकता है और मधुमेह सहित मौजूदा बीमारियों को बदतर बना सकता है। निष्कर्ष वायु प्रदूषण को संबोधित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए व्यापक उपायों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। उधर बिहार का बेगूसराय दुनिया का सबसे प्रदूषित महानगर क्षेत्र बन गया है जबकि दिल्ली को सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाले राजधानी शहर के रूप में दर्ज किया गया है। एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। स्विट्जरलैंड के संगठन *आईक्यूएयर* की विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट 2023 के अनुसार, औसतन वार्षिक 54.4 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की पीएम2.5 सांद्रता के साथ भारत 2023 में 134 देशों में से तीसरा सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाला देश रहा। उससे पहले बांग्लादेश (79.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) और पाकिस्तान (73.7 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) रहे। भारत 2022 में औसतन 53.3 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की पीएम2.5 सांद्रता के साथ आठवां सबसे प्रदूषित देश रहा था। पीएम2.5 को फाइन पार्टिकुलेट मैटर कहा जाता है। ये कण 2.5 माइक्रोन या छोटे आकार के होते हैं और ये सांस लेने के दौरान निचले श्वसन तंत्र तक पहुंच जाते हैं। बेगूसराय औसतन 118.9 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की पीएम2.5 सांद्रता के साथ वैश्विक स्तर पर सबसे प्रदूषित महानगर दर्ज किया गया है जबकि 2022 की रैंकिंग में इस शहर का नाम भी नहीं था। दिल्ली 2018 के बाद से चौथी बार दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी शहर चिह्नित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा अनुमान है कि भारत में 1.36 अरब लोगों को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अनुशंसित पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से अधिक की पीएम2.5 सांद्रता का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनियाभर में हर साल तकरीबन 70 लाख लोगों की वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व मौत हो जाती है। पीएम2.5 वायु प्रदूषण के कारण अस्थमा, कैंसर, आघात और फेफड़ों की बीमारी समेत अनेक बीमारियां हो सकती हैं।

### *सोनोवाल ने किया...*

पटवारी गोस्वामी और भक्तों से बातचीत की। परमगुरु कृष्णगुरु ईश्वर के आशीर्वाद ने मुझे अपने जीवन के हर अच्छे काम में प्रेरित किया है। जब भी मैं परमगुरु कृष्णगुरु ईश्वर की याद में नासत्रा के इस पवित्र स्थान पर आता हूं, मुझे नए उत्साह के साथ आगे बढ़ने का साहस और शक्ति मिलती है। मुझे भी आशीर्वाद मिलता है। हम गुरु के आशीर्वाद से समाज, राज्य और देश को संवारने के लिए नए उत्साह के साथ काम करने के लिए कृतसंकल्प हैं। आइए हम सभी उनके उदाहरण का अनुसरण करते हुए मानवीय मूल्यों और सात पीढ़ी के सद्भाव को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करें। सद्भाव और भक्ति चेतना समाज को मजबूत करती है। भक्ति, ईमानदारी और निष्ठा जीवन को समृद्ध बनाती है। भक्ति के प्रकाश से आलोकित होकर हमें नए उत्साह के साथ राष्ट्र निर्माण की यात्रा में आगे बढ़ने की शक्ति प्राप्त करनी चाहिए और उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भक्ति चेतना और आध्यात्मिकता को जीवन का मजबूत हिस्सा बनाकर देश को मजबूत करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने बारह वर्षों के बाद कृष्णगुरु सेवाश्रम के मासिक एकनाम अखंड कीर्तन में भी भाग लिया। मोदी ने दिलचस्प बात कही। कृष्णगुरु एकनाम अखंड कीर्तन सहित सेवाश्रम के विभिन्न कार्यक्रमों ने कैसे असम और पूर्वोत्तर के साथ-साथ देश में आध्यात्मिक चेतना जगाई और ज्ञान, सेवा और मानवता की प्राचीन भारतीय परंपरा का प्रसार किया। हमें देश के लिए काम करना जारी रखना चाहिए और उसका पालन करना चाहिए। मोदी का दृष्टिकोण भारत को दुनिया में एक आत्मनिर्भर और अग्रणी विकसित देश के रूप में स्थापित करना है। युवा शक्ति भारत की महान शक्ति। देश तभी मजबूत होगा जब यह युवा शक्ति मजबूत होगी। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सत्ता संभालने के बाद से, पिछले 10 वर्षों से युवाओं के सशक्तिकरण को बहुत महत्व मिला है। प्रधानमंत्री मोदी के मजबूत नेतृत्व में देश के युवाओं की आकांक्षाओं को साकार किया गया है, जो भारत को आत्मनिर्भर और विश्व की अग्रणी शक्ति बनाने से कोसों दूर है, हमें विश्वास है कि यह देश को आत्मनिर्भर बनाएगा। मैं नए मतदाताओं को बधाई देता हूं जो पहली बार दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेंगे। वे देश की प्रगति के नए ध्वजवाहक हैं।

### *बंगलूरू में जिलेटिन...*

दर्ज कर जांच कर रही है। एक ट्रैक्टर में जिलेटिन, डेटोनेटर और अन्य विस्फोटक बरामद होने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को कहा कि गश्त पर निकले एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार रात चिक्कनायकनहल्ली में विस्फोटक बरामद किए। पुलिस ने श्रमिकों से विवरण मांगा, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिला। पुलिस अधिकारी के मुताबिक हमें संदेह है कि जिलेटिन की छड़ों को मजदूरों ने इमारतें बनाने के लिए चट्टान तोड़ने के दौरान होने वाले विस्फोट के लिए रखा होगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। खबरों के मुताबिक पुलिस ने अशांति फैलाने की बड़ी साजिश को नाकाम करने में कामयाबी पाई है।

### *जीयू की अप्रिय ...*

के साथ जमकर मारपीट की। जिसके चलते कई छात्र घायल हो गए। उन्होंने उनके पोस्टर, होर्डिग, बैनर तथा कारपेट को जला दिया था। उधर अभाविप ने जालुकबाड़ी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद बैनर, पोस्टर जलाने वाले छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों के खिलाफ भी अपना गुस्सा जाहिर किया। उनका कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मी तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। जिसके चलते घटना इस प्रकार बढ़ गई। अभाविप का कहना हैं कि वे इस विषय को शीघ्र ही राज्यपाल और मुख्यमंत्री को अवगत करवाएंगे।

### *अरुणाचल पर बेतुके ...*

चीन के क्षेत्र का एक अंतर्निहित हिस्सा है और बीजिंग इसे कभी स्वीकार नहीं करता और दृढ़ता से विरोध नहीं करता। बता दें कि भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के क्षेत्रीय दावों को बार-बार खारिज किया है और कहा है कि राज्य देश का अभिन्न अंग है। नई दिल्ली ने क्षेत्र को *मनगढ़ंत* नाम देने के बीजिंग के कदम को भी खारिज कर दिया है और कहा है कि इससे वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आया है। 9 मार्च को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह रणनीतिक रूप से स्थित तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और सीमांत क्षेत्र में सैनिकों की बेहतर आवाजाही सुनिश्चित करने की उम्मीद है। चीन, अरुणाचल प्रदेश को नियमित रूप से भारतीय नेताओं के राज्य के दौरों पर आपत्ति जताता है। यहां तक की बीजिंग ने इस क्षेत्र का नाम भी जांगनान रखा है।

### *सीएए पर एससी ने ...*

लोकसभा चुनाव तेजी से नजदीक आ रहे हैं। कानून को चुनौती देने वाले याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि सीएए धर्म के आधार पर मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव करता है। यह भी तर्क दिया गया है कि इस तरह का धार्मिक अलगाव बिना किसी उचित भेदभाव के है और अनुच्छेद 14 के तहत गुणवत्ता के अधिकार का उल्लंघन करता है। आईयूएमएल के अलावा, कुछ अन्य याचिकाकर्ताओं में तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा शामिल हैं; कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश; एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी; असम कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया; गैर सरकारी संगठन रिहाई मंच और सिटीजन्स अगेंस्ट हेट, असम एडवोकेट्स एसोसिएशन; और कुछ कानून के छात्र। आईयूएमएल, देबब्रत सैकिया, असोम जातियताबादी युवा छात्र परिषद (एक क्षेत्रीय छात्र संगठन), डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने भी सीएए नियम, 2024 को चुनौती दी है जिसके माध्यम से सीएए लागू किया गया था। केरल पहला राज्य था जिसने 2020 में सीएए के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और कहा कि यह भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकार के प्रावधानों के खिलाफ है। इसने सीएए नियमों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में एक और मामला भी दायर किया है। सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में, ओवैसी ने कहा कि सीएए द्वारा उत्पन्न बुराई केवल नागरिकता प्रदान करने को कम करने में से एक नहीं है, बल्कि इसके परिणामस्वरूप अल्पसंख्यक समुदाय को उनके खिलाफ चुनिंदा कार्रवाई करने के लिए अलग-थलग करना है। नागरिकता से इनकार।

### *पाकिस्तान पर तालिबान...*

पर हमला बोल दिया और पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों को बम से उड़ा दिया गया। तालिबान ने कहा है कि कायर पाकिस्तान ने हमले की शुरुआत की थी। लेकिन इस हमले को हम खत्म करेंगे। जब अमेरिका तक हमारे सामने नहीं टिक पाया तो पाकिस्तान की क्या औकात है। बहरहाल, इस जंग में भारत और तालिबान की एक तस्वीर ने तहलका मचा दिया है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि कुछ दिन पहले ईरान ने भी पाकिस्तान पर हमला किया था। ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान तीन इस्लामिक देश आपस में ही भिड़ रहे हैं। लेकिन भारत के पड़ोस में ये जंग क्यों शुरू हुई है इसका थोड़ा बैकग्राउंड आपको बताते हैं। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी ने पाकिस्तान के सात सैनिकों को मार दिया था। पाकिस्तान ने बिना किसी सबूत के कहा था कि टीटीपी ने ये हमला तालिबान सरकार के कहने पर किया है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान का नाम जबरदस्ती घसीटते हुए एयर स्ट्राइक भी कर दी। इस एयरस्ट्राइक से तालिबान भड़क गया। तालिबान ने पलटवार करते हुए पाकिस्तान पर तीन दिशाओं से हमला कर दिया। कई जानकारों का मानना है कि पाकिस्तान टीटीपी और तालिबान सरकार के गठजोड़ से परेशान तो है, लेकिन भारत और तालिबान की नजदीकी ने उसे ज्यादा डरा दिया है। कुछ दिन पहले ही भारत ने अपने विशेष दूत जेपी सिंह को अफगानिस्तान भेजा था। दूत जेपी सिंह ने तालिबान से बातचीत की।

### *दस किलो मटन ...*

भोज देने की प्रथा है। मृतका के बेटे की आर्थिक स्थिति बेहतर नहीं थी इसलिए उसके पास भोज कराने की व्यवस्था नहीं हो सकी। गांव वालों ने अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए उसके सामने 10 किलो मटन की शर्त रख दी। मटन की व्यवस्था करने में उसे दो दिन का समय लगा। दो दिन बाद उसकी मां का अंतिम संस्कार हो सका। इस बीच दो दिन तक महिला की लाश उसके घर में पड़ी रही। पूरा मामला मयूरभंज के तेलाबिला का है। यहां रहने वाली 70 वर्षीय सोंबारी सिंह का निधन हो गया। गांव में विवाह-मृत्यु जैसे महत्तवपूर्ण आयोजनों में सामूहिक भोज की दावत देने का रिवाज है। मृतक महिला के परिजनों पर आर्थिक रूप से दावत देने की व्यवस्था नहीं थी। ग्रामीणों ने भोज के रूप में 10 किलो मटन की मांग की थी जिसे वह देने में असमर्थ थे। इस बात को लेकर ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार में भाग लेने से इनकार कर दिया, जिससे अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में रुकावट आ गई। इस मामले में गांव के ग्रामीणों का कहना है कि सोंबारी के परिवार में पहले दो शादियां आयोजित हुई जिसमे इनके द्वारा किसी की दावत नहीं की गई। ग्रामीणों में इसको लेकर गुस्सा बना हुआ था। शनिवार को सोंबारी का निधन हो गया। गांव में मृत्यु होने पर सामूहिक भोज देने की परंपरा है। उन्होंने बताया कि सोंबरी के परिवार की ओर से पूर्व में कोई दावत नहीं दी गई थी इसलिए ग्रामीणों ने अंतिम संस्कार पर सामूहिक भोज के लिए 10 किलो मटन की मांग रख दी।

### *कृष्ण जन्मभूमि विवाद...*

में फिर से याचिका दायर करने की अनुमति देते हैं। समिति के वकील ने कहा कि 11 जनवरी के आदेश को वापस लेने का आवेदन हाईकोर्ट में लंबित है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि आवेदन को एक तारीख पर हाईकोर्ट के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया जाए। हालांकि पीठ ने ऐसा कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को *न्याय के हित में* निर्देश दिया था कि हिंदू वादी द्वारा दायर एक आवेदन पर 15 मुकदमों को समाहित कर दिया जाए। हिंदू पक्ष ने हाईकोर्ट में अपने आवेदन में कहा था कि दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ संभाग), मथुरा के समक्ष 25 सितंबर, 2020 को दायर मूल मुकदमे और 13.37 एकड़ जमीन से संबंधित अन्य मुकदमों को समाहित कर दिया जाए।

### *कांग्रेस के घोषणा पत्र...*

अनेक मुद्दों पर चर्चा की है और जो गारंटी मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने बार-बार बोला है, उसे हमने एक अमलीजामा पहनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वंचित वर्गों के लिए समर्पित है। हम अपने घोषणा पत्र में देश के हालात के बारे में भी लोगों को बताएंगे। हम बताएंगे कि आने वाले समय में जब इंडिया गठबंधन जीत कर आएगी तो किस प्रकार से अर्थव्यवस्था, किसान, बेरोजगार और नौजवानों के लिए काम करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के घोषणापत्र की कुछ खास बातें सामने आई हैं। इसमें ओल्ड पेंशन स्कीम, सच्चर कमेटी की सिफारिशों को लागू करने के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देना और वहां तुरंत विधानसभा चुनाव कराना, लद्दाख को स्पेशल स्टेटस देना शामिल हो सकता है। इसके अलावा एससी-एसटी वर्ग के लिए स्पेशल बजट का जिक्र भी हो सकता है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने घोषणापत्र को मंजूर करने के लिए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अधिकृत किया है। इसके साथ घोषणा पत्र कब और कैसे जारी किया जाएगा इस संबंध में भी फैसला लेने के लिए पार्टी अध्यक्ष को अधिकृत किया गया है। पार्टी के नेता जयराम रमेश ने कहा है कि कांग्रेस केवल घोषणापत्र ही जारी नहीं करेगी बल्कि न्याय पत्र भी जारी करेगी ताकि लोगों को उज्जवल भविष्य दिखाई दे। वहीं, कांग्रेस महासचिव-संगठन केसी वेणुगोपाल ने कहा कि हम 3 महीने के भीतर तेलंगाना में 30000 सरकारी नौकरियां दे चुके हैं। उसी प्रकार हम ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और किसानों की चिंताओं को संबोधित करते हुए देश के लोगों से वादे कर रहे हैं। पार्टी ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र 1926 से ही देश के राजनीतिक इतिहास में विश्वास और प्रतिबद्धता का दस्तावेज माना जाता है। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान हमने न्याय के 5 स्तंभों की बात की है जिनकी स्थापना हमारे देश को मजबूती देगी। उन पांच स्तंभों में युवा न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय, श्रमिक न्याय, हिस्सेदारी न्याय शामिल हैं। पार्टी ने कहा कि इन 5 स्तंभों के तहत कांग्रेस पार्टी कुल 25 गारंटियां दी है जो देश को भाजपा के अन्याय काल से मुक्ति दिलाएंगी।

### *कर्मचारियों के वेतन...*

की संख्या 31 दिसंबर 2023 तक 603,305 थी। जिसमें पदोन्नति प्रक्रिया को वित्त वर्ष 2015 की पहली तिमाही तक स्थगित किए जाने की संभावना है। जबकि टीसीएस विशिष्टताओं के बारे में चुप्पी साधे हुए है। मामले से परिचित एक सूत्र ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि वेतन वृद्धि की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। हालांकि, पदोन्नति, विशेष रूप से वरिष्ठ स्तर पर, लागत संबंधी विचारों के कारण कठोर जांच के अधीन है। हालांकि कंपनी की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन टीसीएस के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी मिलिंद लक्कड़ ने पहले 2023 में अंतिम वार्षिक मुआवजे की समीक्षा के दौरान असाधारण प्रदर्शन करने वालों के लिए 12-15 प्रतिशत तक महत्वपूर्ण वेतन वृद्धि के बारे में बात की थी। कंपनी ने लगातार दूसरी तिमाही में कर्मचारियों की संख्या में गिरावट देखी, दिसंबर तिमाही में 5,680 कर्मचारियों की छंटनी हुई (यदि रिपोर्टों पर विश्वास किया जाए)। दूरस्थ और ऑनसाइट कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि लागू करने का निर्णय टीसीएस के वित्तीय प्रदर्शन के बीच आया है, जिसमें 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त तिमाही में 11,058 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया गया था। इसके अलावा, हाल ही में यह बताया गया था कि टीसीएस ने अपने कर्मचारियों को तब तक का समय दिया है मार्च के अंत में कार्यालय लौटने के लिए। कंपनी लोगों को कार्यालय में वापस बुलाने के लिए संघर्ष कर रही है क्योंकि पिछले साल से ऐसी चेतावनियां दी जा रही हैं। टीसीएस ने जोर देकर कहा है कि यह विस्तार अंतिम होगा, जो आगे की देरी के प्रति शून्य-सहिष्णुता दृष्टिकोण का संकेत देता है। मुख्य परिचालन अधिकारी एनजी सुब्रमण्यम ने पुष्टि की कि निर्दिष्ट समय सीमा तक कार्यालय से काम फिर से शुरू करने में विफल रहने वाले कर्मचारियों के लिए सख्त परिणाम होंगे। यह कड़ी चेतावनी इस मामले पर टीसीएस के रुख की गंभीरता को दर्शाती है।

### *कांग्रेस और डीएमके ...*

कांग्रेस और द्रमुक विपक्षी इंडिया गठबंधन के अहम घटक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग जानबूझकर हिंदू आस्था का अपमान करते हैं और इसके खिलाफ उनके द्वारा हर बयान सोच-समझकर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि *इंडी* अलायंस वाले लोग बार-बार, जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। हिंदू धर्म के खिलाफ इनका हर बयान बहुत सोचा समझा हुआ होता है। आप देखिए, और किसी धर्म का अपमान द्रमुक और कांग्रेस का इंडी अलायंस नहीं करता, किसी और धर्म के खिलाफ इनकी जुबान से एक शब्द नहीं निकलता। लेकिन हिंदू धर्म को गाली देने में ये एक सेकंड नहीं लगाते। उन्होंने नारी शक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि हिंदू धर्म में शक्ति का अर्थ है मातृ शक्ति और नारी शक्ति। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और द्रमुक वाले इंडिया गठबंधन का कहना है कि वे इसे नष्ट कर देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि शक्ति का अर्थ मरियमन, मदुरै मीनाक्षीअम्मन और कांची कामाक्षीअम्मा जैसे राज्य के विभिन्न देवी-देवताओं से संबंधित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कवि सुब्रमण्यम भारती ने भारत माता को शक्ति के रूप में पूजा है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु उन्हें सजा देगा, जो शक्ति का नाश करने की बात करते हैं। मैं शक्ति उपासक हूं।

### *बंगाल के छह ...*

उत्तर शामिल हैं। आयोग सूत्रों के मुताबिक पिछले चुनाव में उन केंद्रों से भारी मात्रा में रुपए और शराब की बरामदगी हुई थी। इसी वजह से उन इलाकों को आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील घोषित किया गया है। ऐसे केंद्रों पर अतिरिक्त ध्यान देने की बात कही गई है। 22 जांच एजेंसियों के लिए 22 पर्यवेक्षक नियुक्त हैं। यह एजेंसी पर्यवेक्षकों को रिपोर्ट करती है जहां से आयोग पर्यवेक्षकों से प्रतिदिन रिपोर्ट लेता है। मतदान दिवस की घोषणा के बाद से ही विभिन्न सड़कों पर जांच चल रही है। पुलिस की ओर से केंद्रीय एजेंसियां भी अलग-अलग इलाकों में गश्त करती हैं। चुनाव आयोग की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि इन सभी लोकसभा क्षेत्रों में विशेष तौर पर सतर्कता बरती जा रही है ताकि चुनाव में धन बल के इस्तेमाल को रोका जा सके।

### *सोरेन की भाभी...*

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा और अमित शाह पर भरोसा जताते हुए वे भाजपा में शामिल हुईं। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के आदिवासी लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि उन्हें झारखंड में अधिक रफ्तार से विकास के पथ पर ले जाना है। झारखंड में बदलाव की जरूरत है। भाजपा में शामिल होने के बाद सीता सोरेन ने कहा कि उन्होंने 14 साल तक पार्टी (जेएमएम) के लिए काम किया लेकिन उन्हें कभी भी पार्टी से वह सम्मान नहीं मिला, जिसकी वे हकदार थीं। वह उपेक्षित महसूस कर रही थीं। इसके कारण उन्होंने जेएमएम पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके और उनके परिवार के खिलाफ साजिश रची जा रही है।

# लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अगप भाजपा प्रवक्ताओं की संयुक्त बैठक

**गुवाहाटी ( हिंस )।** आगामी लोकसभा चुनाव के लिए असम गण परिषद (अगप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यूपीपीएल गठबंधन की जोर-शोर से तैयारी चल रही है। अगप और भाजपा प्रवक्ताओं की संयुक्त बैठक आज गुवाहाटी के आमबाड़ी स्थित अगप मुख्यालय में आयोजित हुई। बैठक का संचालन अगप के महासचिव मनोज सैकिया ने किया। बैठक की शुरुआत में अगप के अध्यक्ष अतुल बोरा ने दोनों पार्टियों के प्रवक्ताओं को बधाई दी और उनसे आगामी लोकसभा चुनावों में गठबंधन उम्मीदवारों के लिए सभी प्रकार के प्रचार में सक्रिय रूप से शामिल होने का आग्रह किया। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मीडिया के जरिए आम लोगों के साथ संपर्क को और अधिक मजबूत कर सरकार के विभिन्न कार्यों का लेखा-जोखा राज्य की जनता

तक पहुंचाने एवं एनडीए गठबंधन उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने में पार्टी प्रवक्ताओं द्वारा निभाई जाने वाली कुछ महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर आज की बैठक में चर्चा की गई है। विशेष रूप से, राज्य के अधिकांश लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई और लागू की गई विभिन्न परोपकारी योजनाओं और असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दूरगामी नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लागू विभिन्न जनहितैषी योजनाओं के जरिए राज्य के बहुसंख्यक लोग लाभान्वित हुए हैं। ऐसे में आगामी लोगसभा चुनाव प्रचार के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न लाभाकारी योजनाओं को प्रचारित करने के साथ ही अन्य जनहितैषी विषयों को आम लोगों के बीच ले जाने के लिए बैठक में उपस्थित दोनों पार्टियों के प्रवक्ताओं ने निर्णय लिया। आज की बैठक में असम प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता मनोज बरुवा, देवान ध्रुवज्योति मरल, भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट, अगप के उपाध्यक्ष बिष्णु दास, अपूर्व कुमार भट्टाचार्य, अगप महासचिव सत्यब्रत कलिता, बिमलेंदु सिन्हा, सुनील डेका, डॉ. तपन दास और अन्य अगप प्रवक्ता शामिल थे।

## पूरे पूर्वोत्तर में सीएए लागू नहीं हो : आसू

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम छात्र संघ (आसू) के सलाहकार समुज्ज्वल भट्टाचार्य ने कहा है कि पूर्वोत्तर के किसी भी राज्य में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू नहीं होना चाहिए। आज मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन (नेसो) की ओर से उच्चतम् न्यायालय में सीएए के विरुद्ध 2019 में ही आवेदन किया गया था। आज फिर से इसकी नियमावली में संशोधन के लिए उच्चतम् न्यायालय में अर्जी दी गई है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के इनर लाइन परमिट की व्यवस्था वाले राज्य अरुणाचल, प्रदेश मिजोरम आदि के साथ ही छठी अनुसूची में शामिल पूर्वोत्तर के त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, यहां तक कि असम के अनेक जिलों में सीएए लागू नहीं किया जा रहा है। ऐसे में यह जाहिर है कि सीएए के लागू होने से पूर्वोत्तर के राज्यों में जनसंख्या का संतुलन बिगड़ जाएगा।

### क्षेत्रवार पार्टी पदाधिकारियों की बैठक

## कई पार्टियों के नेता भाजपा में शामिल

**गुवाहाटी ( हिंस )।** राजधानी गुवाहाटी के हेंगराबाड़ी स्थित भाजपा के गुवाहाटी महानगर कार्यालय में आज जिला अध्यक्ष तपन चंद्र दास की उपस्थिति में कई पार्टियों के नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर न्यू गुवाहाटी विधानसभा और दिसपुर विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों की आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए रणनीतिक तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष तपन चंद्र दास ने कहा कि आगामी चुनाव को देखते हुए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने-अपने दायित्वों का पूरी तरह से पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना भारत को विश्व गुरु के आसन पर

पहुंचाना तभी संभव होगा जब हम सभी कार्यकर्ता सांगठनिक रूप से पार्टी को और अधिक मजबूत कर एक मजबूत सरकार के गठन में अपना सहयोग देना होगा। बैठक में उपस्थित गुवाहाटी की उप मेयर स्मृता राय दास ने पांच नंबर गुवाहाटी लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की उम्मीदवार बिजली कलिता मेधी की ओर से प्रचार के क्षेत्र में सोशल मीडिया के दायित्व के संबंध में बात की तथा चुनावी सभाओं के कार्यक्रम को पूरी तरह से तैयार कर लोगों के बीच ले जाने का आह्वान किया। बैठक में प्रदेश सचिव मेघना हजारिका, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शशांक ज्योति डेका और पार्षद आदि मौजूद थे। बैठक में भाजपा के असम प्रदेश महासचिव अजित कुमार भट्टाचार्य और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता रंजीत कर्मकार के निधन पर शोक व्याक्त किया गया।

## दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत

**ग्वालपाड़ा ( हिंस )।** ग्वालपाड़ा जिलांतर्गत कृष्णाई के पास जीरा में बीती मध्य रात को हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह दर्दनाक सड़क हादसा कृष्णाई-मेंदीपाथर रोड पर जीरा में हुआ। मृतक बाइक सवार की पहचान कृष्णाई वेल्टाघाट निवासी अबिदुर रहमान (25) के रूप में हुई है। मृतक युवक रात में अपनी पल्सर बाइक (एएस-18के-5734) से मेघालय के मेंदीपाथर दिशा से कृष्णाई जा रहा था। इसी दौरान जीरा में उसकी भिड़ंत एक अज्ञात वाहन से हुई।

*चुनाव 2024 को लेकर महिला अधिकारियों के लिए ईवीएम मशीन प्रशिक्षण शिविर*

## आचार संहिता का उल्लंघन, 9 लाख 42 हजार रुपए जब्त

**दक्षिण सालमारा ( हिंस )।** आगामी लोकसभा चुनावों की घोषणा के बाद पूरे देश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। इस बीच चुनाव के नियमों का उल्लघंन करने के आरोप में पुलिस तलाशी अभियान चलाते हुए दक्षिण सालमारा-मानकाचर जिले के दक्षिण सालमारा पुलिस स्टेशन के कलाबाड़ी गांव में पुलिस ने नाका तलाशी चलाते हुए तीन व्यक्तियों के पास से 9 लाख 42 हजार 500 रुपए जब्त किया। पुलिस ने आज कलाबाड़ी गांव की सड़कों पर तलाशी अभियान चलाते हुए ग्वालपाड़ा जिले के लखीपुर थाना क्षेत्र के शिमलाबाड़ी गांव निवासी सोलेमान अली की तलाशी ली। उसके पास से 2 लाख 50 हजार रुपए जब्त किए गए। सुलेमान अली अपनी मारुति वैगनार कार (एएस-18एल-4948) में यात्रा कर रहा था। कार रोककर पुलिस ने तलाशी लेते हुए उसके पास से पैसे जब्त कर लिए। वहीं, कलाबाड़ी गांव में पुलिस ने ग्वालपाड़ा जिले के लखीपुर थाना क्षेत्र के खालिसविता गांव निवासी शरीफुल इस्लाम की तलाशी ली। उसके पास से 5 लाख 32 हजार 500 रुपए नकद बरामद किए। शरीफुल इस्लाम बाइक (एएस-01बीएल-7743 से जा रहा था। इसके अलावा मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के राजाबाला के मगुरमारी गांव निवासी शरीफुल इस्लाम को अल्टो के-10 कार (एमएल-13-4529) से यात्रा करते समय पुलिस ने रोका। कार की तलाशी लेने पर उसके अंदर से 1 लाख 60 हजार रुपए जब्त किये गए। पुलिस ने बताया है कि तीनों व्यक्तियों ने आदर्श संहिता का उल्लंघन करते हुए बिना उचित कारण इतनी बड़ी धनराशि को लेकर सफर कर रहे थे। कार्यकारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस ने तलाशी अभियान चलाते हुए तीन लोगों के पास से कुल 9 लाख 42 हजार 500 रुपए जब्त किए गए थे।

## एनसीपी उम्मीदवार की दूसरी सूची जारी

**इटानगर ( हिंस )।** अरुणाचल प्रदेश नेशनल कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने अपने दूसरे चरण के उम्मीदवारों की सूची की घोषणा की, जहां उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव 2024 के लिए 9 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए प्रदेश एनसीपी अध्यक्ष लिखा साया ने नौ उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की। इससे पहले उन्होंने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। अब तक एनसीपी ने आगामी 2024 विधानसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है।

## नकली सोने के कारोबार में शामिल एक व्यक्ति गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के फटाशील आमबाड़ी थाना क्षेत्र के ज्योतिकुची इलाके में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने आज अभियान चलाकर नकली सोने के कारोबार में शामिल एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ज्योतिकुची इलाके में चलाए गए अभियान के दौरान नकली सोने के कारोबार में शामिल वीरेंद्र कुमार सिंह (47, पटना, बिहार) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से सोने की एक नकली नाव बरामद किया गया है। बरामद नकली सेना का वजन लगभग 1.509 किलोग्राम बताया गया है। आरोपी के पास से सोने की नकली नाव के अलावा एक मोबाइल फोन और नगद पांच सौ रुपए जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने स्थानीय थाने को सौंप दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## पूसीरे की रेसुब ने अगरतला रेलवे स्टेशन से 3 रोहिंग्याओं को पकड़ा

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) ने अगरतला रेलवे स्टेशन से 3 रोहिंग्याओं को पकड़ा। रेसुब और जीआरपी की एक संयुक्त टीम ने नियमित तलाशी के दौरान अगरतला रेलवे स्टेशन पर लोगों के एक समूह की संदिग्ध गतिविधि का पता लगाया। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि गत 17 मार्च को पूछताछ करने पर संदिग्ध लोगों ने कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। बाद में, उनलोगों ने खुलासा किया कि वे अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे और ट्रेन संख्या 13174 (कंचनजंगा एक्सप्रेस) द्वारा अगरतला से भागने की योजना थी। बाद में सभी रोहिंग्याओं को पकड़ लिया गया और आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए अगरतला जीआरपी को सौंप दिया गया।

## एयूएस के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

**इटानगर ( हिंस )।** अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) जनरल केटी परनायक ने आज नामसाई स्थित अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज (एयूएस) के विश्वविद्यालय परिसर में 8वें दीक्षांत समारोह की भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने संबंधित विषयों के टॉपर्स, डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की डिग्री और स्वर्ण पदक विजेताओं को सम्मानित किया। जिसमें 667 स्नातक और 19 स्नातकोत्तर डिग्रियां प्रदान की गईं। स्नातक छात्रों को बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों, उनके माता-पिता और अभिभावकों और संकाय सदस्यों के लिए पूर्णता का दिन है, जो बेहतर भविष्य की ओर ले जाने वाली सर्वोत्तम शिक्षा को ग्रहण करने के लिए उनके बलिदान, समर्पण और

ईमानदारी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विजय का यह क्षण कोई चरमोत्कर्ष नहीं बल्कि, अनंत संभावनाओं, अवसरों और जिम्मेदारियों की शुरुआत है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं है, यह मस्तिष्क का विकास, प्रतिभा का पोषण और चरित्र निर्माण है। उन्होंने कहा कि नवाचार, अनुसंधान और विकास के माध्यम से व्यक्ति समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। गरीबी, बीमारी, बेरोजगारी और भूख सहित कई समस्याओं का समाधान कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के स्नातक के रूप में, आपके ऊपर विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, कानून और अन्य विषयों के ज्ञान का उपयोग करके सामाजिक परिवर्तन लाने की जिम्मेदारी है जो आपने हासिल किया है। राज्यपाल ने स्नातकों को खुली बांहों और ग्रहणशील दिमाग से बदलाव को स्वीकार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आप जिस दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं वह गतिशील, जटिल और निरंतर विकसित हो रही है। विविधता को अपनाएं, नवाचार को अपनाएं और सबसे बढ़कर आजीवन सीखने की भावना को अपनाएं। याद रखें कि शिक्षा कक्षा की चार दीवारों तक ही सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक सतत प्रक्रिया है-अन्वेषण और खोज की यात्रा। राज्यपाल ने कहा कि अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज (एयूएस) गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है और उत्तर पूर्व क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक प्रगति के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी काम कर रहा है। उन्होंने विभिन्न कौशल परियोजनाएं संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की, जिसमें 2500 युवाओं को कौशल प्रदान किया गया। एयूएस परिसर की अपनी पहली यात्रा में, राज्यपाल ने एक संकाय आवासीय भवन का उद्घाटन किया और 700 क्षमता वाले आदिवासी लड़कियों के छात्रावास और 400 क्षमता वाले लड़कों के छात्रावास की आधारशिला रखी।

## माहेश्वरी सभा के होली उत्सव में जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा प्रेक्षागृह

**गुवाहाटी ( विभास )।** माहेश्वरी सभा गुवाहाटी का होली उत्सव माछखोवा स्थित आईटीए सेंटर में संपन्न हुआ। जिसमें महिला समिति के संचालन में स्वांग प्रतियोगिता और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इससे पहले मुख्य अतिथि शोभा चंद डागा ने भगवान महेश के चित्र पर माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके साथ माहेश्वरी सभा गुवाहाटी के अध्यक्ष सीताराम बिहानी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (पूर्वांचल) कैलाश काबरा, युवा संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (पूर्वांचल) महावीर चांडक, महिला समिति की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सरल काबरा, पूर्वोत्तर माहेश्वरी महिला समिति की उपाध्यक्ष सीता झंवर, युवा संगठन गुवाहाटी के कार्यकारी अध्यक्ष बृजमोहन तापड़िया, असम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष भगवान दास

दम्मानी, महिला समिति गुवाहाटी की अध्यक्ष वर्षा सोमानी उपस्थित थी। कार्यक्रम संयोजक राजेश सोनी के संचालन में मुख्य अतिथि व सभी पदाधिकारी ने अपना शुभकामना संबोधन दिया। स्वांग प्रतियोगिता में चार समूह में प्रतियोगिता कराई गई जिसमें चंचल राठी और सोनिया सारडा ने निर्णायक की भूमिका निभाते हुए विजेताओं के नाम की घोषणा कर पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम का संचालन माहेश्वरी महिला समिति की सचिव पुष्पा सोनी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सभा के सचिव सुरेंद्र लाहोटी ने दिया। माहेश्वरी सभा की जनसंपर्क सचिव संतोष तापड़िया ने बताया कि होली उत्सव के द्वितीय चरण में सांस्कृतिक संध्या का संचालन वंदना बिहानी ,शोभा लढा व अंबिका मुंदड़ा ने किया। इस चरण में समाज के बच्चों व महिलाओं ने राजस्थानी पारंपरिक लोकगीत नृत्य के अलावा विभिन्न गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। इस सत्र का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का गीत नृत्य था। इस अवसर पर पूरा हॉल जय श्री राम के उद्घोष से गूंज उठा। राम आएंगे और सजा दो गुलशन को गीत नृत्य प्रस्तुतिकरण के समय सारा वातावरण राममय हो गया। कार्यक्रम के संयोजक पवन साबू और राजेश सोनी तथा संयोजक दीनदयाल मुंदड़ा और संदीप काबरा थे। माहेश्वरी सभा के सचिव सुरेंद्र लाहोटी ने सभी कलाकारों, कार्यकर्ताओं और अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

## रंगिया में जैन प्रीमियम क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का आयोजन आज से

**रंगिया ( विभास )।** जैन युवा बंधुओं द्वारा रंगिया में पहली बार जैन प्रीमियम लीग (जेपीएल) क्रिकेट खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इसका आयोजन 20 मार्च, बुधवार को एकदिवसीय कार्यक्रम के साथ स्थानीय हिंदी विद्यालय खेल मैदान प्रांगण किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार इस खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 7 बजे किया जाएगा तथा संध्या 5 बजे इसका समापन होगा। खेल प्रतियोगिता के पहले राउंड में प्रात: 7.30 बजे से

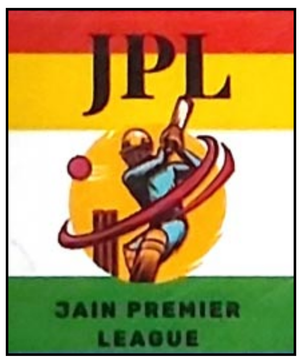


सुबह 8.30 बजे तक केसी रॉयल्स बनाम राइजिंग स्टार, सुबह 8.45 बजे से 9.45 गुणांश सुपर किंग्स बनाम विद्यासागर, सुबह 10.30 बजे से 11.30 बजे तक गुणांश सुपर किंग्स बनाम केसी रॉयल्स और सुबह 11.45 बजे से दोपहर 12.45 बजे तक विद्यासागर बनाम राइजिंग स्टार के बीच खेल होगा। वहीं इसके पश्चात दोपहर 2 बजे से दो डबल विजेता टीमों के बीच प्रतियोगिता का फाइनल खेल खेल होगा। खेल के पश्चात समापन समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजकों द्वारा कार्यक्रम में सभी खेल प्रेमियों के उपस्थिति एवं मार्गदर्शन की कामना की गई है।

## सर्वोत्तम विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल का भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न

**होजाई ( हिंस )।** होजाई के पूर्व नंदपुर नए दल पोखरी डेवलपमेंट ब्लॉक ऑफिस के समीप सर्वोत्तम विद्यालया सीनियर सेकेंडरी स्कूल का भूमि पूजन कार्यक्रम हाल ही में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्यिक मंत्री (एजुकेशन एंड एक्सटर्नल अफेयर्स) डॉ. राजकुमार रंजन सिंह उपस्थित हुए व उनके कर कमलों द्वारा भूमि पूजन व आधारशिला का कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अपने संबोधन में मंत्री ने कहां की शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति आई है व सर्वोत्तम विद्यालय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के भूमि पूजन के अवसर पर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। उक्त विद्यालय के निर्देशक प्रकाश सिंह ने इस संवाददाता को जानकारी देते हुए बताया की सर्वोत्तम विद्यालया में पढ़ाई के साथ-साथ छात्रों के पूर्ण विकास पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया की विद्यालया में मानसिक, शारीरिक व आध्यात्मिक रूप से छात्रों को तैयार किया जाएगा जिससे

वे जिम्मेदार नागरिक बन सके व भारत की तरक्की में अपना योगदान दे सके। गौरतलब है, विद्यालया तीन कैटेगरी में डिवाइड किया गया है जिसमें- शिक्षा,खेल व संस्कृति है। उन्होंने आगे जानकारी दी कि इस वर्ष से सीनियर सेकेंडरी फर्स्ट ईयर की कक्षाएं प्रारंभ होगी व दूसरे वर्ष से नर्सरी से लेकर 12वीं तक कक्षाएं सुचारू रूप से चलेंगे। वही खेल व संस्कृति पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस दौरान कार्यक्रम में कई शिक्षाविद व विशिष्ट जन व्यक्ति उपस्थित थे।

## अंतत: पुलिस की जाल में फंसा जालसाज अब्दुल मलिक

**नगांव ( हिंस )।** आखिरकार जालसाज अब्दुल मलिक पुलिस के जाल में फंस गया है। नगांव जिलांतर्गत कामपुर के कई गरीबों की जानकारी एकत्र कर फर्जी तरीके से बाइक खरीदकर लाखों रुपए का गबन करने के अब्दुल मलिक पर आरोप लगाया गया है। ऐसा आरोप कामपुर बरपानी ऑटोमोबाइल्स के मालिक अब्दुल मलिक पर लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि गरीबों को अरुणोदय के साथ-साथ अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का लालच देकर उनका पैन कार्ड, आधार कार्ड अब्दुल जुटाता था। इन दस्तावेजों पर एचडीबी फाइनेंस नामक एक ऋण देने वाली फर्म के कई अधिकारियों और कर्मचारियों को मिलाकर जालसाजी कर रह था।

## नगांव मारवाड़ी महिला मंच का होली मिलन समारोह संपन्न

**नगांव ( निसं )।** नगांव मारवाड़ी महिला मंच ने होली से पूर्व रविवार को हैबरगांव स्थित जैन श्वेतांबर तेरापंथ भवन में रंगारंग होली मिलन समारोह संपन्न हुआ। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत के साथ हुआ। दीप प्रज्ज्वलित सावित्री डाबड़ीवाल, सुमित्रा खेतावत, बीणा मोर, सकुंतला कर्वा, पुष्पा अग्रवाल, लता अग्रवाल, भारती नाहटा, मंजु कोठारी, सुमित्रा अग्रवाल व इंद्रा कर्वा द्वारा किया गया। श्री गणेश जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद स्वागत नृत्य संतोषी देवी ने प्रस्तुत कर कार्यक्रम में समां बांध दी। बाद में पूजा कर्वा, ममता अग्रवाल, नैना सुराना, स्वाति बगड़िया, रीमा डाबड़ीवाल व निशा अग्रवाल ने राजस्थानी पारंपरिक गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर खुब तालियां बटौरी। कार्यक्रम के बीच बीच में मंच की सदस्याओ ने हास्य व्यंग्य प्रस्तुत कर श्रोताओ को हंसने पर मजबुर कर दिया। हास्य व्यंग्य में शीतल

केजरीवाल, दीपमाला बोकाडिया, संगीता पोद्दार व बबीता कनोई ने भाग लिया। इस बीच चर्चित भजन श्रीराम आएंगे पर वान्या शर्मा ने शानदार नृत्य का प्रदर्शन किया। वान्या की इस प्रस्तुति की सभी ने खुब प्रशंसा की। एक अन्य सामूहिक नृत्य स्वाति बगड़िया, निशा अग्रवाल व रीमा ने प्रस्तुत किया। अन्य एक ओर नृत्य में शीतल केजरीवाल, बबीता कनोई, सविता सरावगी व दीपमाल बोकाड़िया ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान बार काउंसिल की सदस्य बनने के लिए सुश्री गुंजन अग्रवाल का अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में नगांव मारवाड़ी महिला मंच के चालीस वर्ष के सफर पर सुहाने सफर की दोस्ती पर आधारित गीत सभी सदस्याओ ने सामूहिक रूप से गायन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष भारती नाहटा व हर्षदा सोलंकी ने बारी बारी से किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाएं, पुरुष व युवा वर्ग उपस्थित थे।

संपादकीय

# पाकिस्तान बसाने को सीएए नहीं

**दिल्ली** के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) की व्याख्या ही बदलने की कोशिश की है। उन्होंने कुछ सवाल उठाए हैं, जो भावोत्तेजक हैं। उनकी मंशा हिंदू-मुसलमान से आगे बढक़र आर्थिक संसाधनों और स्थितियों पर केंद्रित करने की है, ताकि राजनीति की दिशा और दशा बदली जा सके। हालांकि ऐसी संभावनाएं नगण्य हैं। संयुक्त राष्ट्र नागरिकता को व्यक्तिपरक सुरक्षा का बुनियादी तत्त्व मानता है और प्रताड़ित, शोषित, मानवाधिकार कुचलन के शिकार लोगों को 'शरणार्थी' के तौर पर किसी भी देश में प्रवेश करने को 'मानवीय कर्म' मानता है। संयुक्त राष्ट्र ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौते का भी जिक्र करता है, जिसके तहत शरणार्थियों को नागरिकता भी दी जा सकती है। केजरीवाल ने उत्तेजित अवस्था में कहा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के लोगों को भारत में बसाने का कानून बनाया गया है। कल हमारे देश में चोरियां, डकैतियां, बलात्कार होंगे। जगह-जगह दंगे भी भडक़ेंगे। देश की सुरक्षा-व्यवस्था का क्या होगा? केजरीवाल का आकलन है कि अब जो पलायन होगा, वह भारत-विभाजन से भी बड़ा और खतरनाक होगा। केजरीवाल के मुताबिक, तीनों पड़ोसी देशों से 2.5 करोड़ से अधिक लोगों का पलायन हो सकता है। भारत सरकार उन्हें कहां रखेगी? कहां घर देगी? कहां खाने को अनाज देगी? कितनी नौकरियां और रोजगार दिए जा सकेंगे? देश के आर्थिक संसाधन तो सीमित हैं। हमारे नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं और भाजपा ने देश के भीतर एक और पाकिस्तान को बसाने का कानून बनाया है। केजरीवाल ने सीएए को भाजपा का वोट बैंक तैयार करने की रणनीति करार दिया है। बहरहाल केजरीवाल के अपने तर्क और राजनीति-शास्त्र हो सकते हैं। वह सीएए पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाली भीड़ में शामिल नहीं होना चाहते, लिहाजा आर्थिक संसाधनों के आधार पर भावोत्तेजक राजनीति कर रहे हैं। विभाजन के दौर का वीभत्स और त्रासद सरकारी आंकड़ा यह है कि पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश), अफगानिस्तान तीनों पड़ोसी देशों से 72 लाख के करीब लोगों ने पलायन किया था। हालांकि अनौपचारिक आंकड़े ये हैं कि तब 2 या 2.5 करोड़ से अधिक लोगों ने पलायन किया होगा! ये आंकड़े विभिन्न संगठनों और मीडिया प्रतिनिधियों ने जुटाए थे। भारत-विभाजन से ज्यादा खौफनाक घटनाक्रम उस दौर में कोई और नहीं हुआ। हालांकि कुछ सालों के बाद तिब्बती धर्मगुरु दलाईलामा और हजारों नागरिकों ने, चीन से पलायन करके, भारत में शरण मांगी थी। तब के गरीब भारत ने उन्हें भी सम्मान से 'शरणार्थी' बनाया। आज भी तिब्बत की निर्वासित सरकार हिमाचल के धर्मशाला में काम कर रही है। आज भी भारत के कई शहरों में तिब्बती ऐसे बसे हैं मानो वे भारत के ही नागरिक हों! दरअसल सीएए कोई निरंतर प्रक्रिया नहीं है। जिन्होंने 31 दिसंबर, 2014 तक आवेदन किया है अथवा भारत में शरणार्थी बने हैं, उन्हीं पर सीएए के तहत फिलहाल विचार किया जाएगा। यह तारीख सरकार ने तय की है, लेकिन वह यह भी मानती है कि इन तीन पड़ोसी देशों में धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों का उत्पीडऩ, अपहरण, धर्मांतरण, जबरन निकाह, पूजा-स्थलों के विध्वंस और अन्य अत्याचार लगातार जारी रहे हैं। फिर यह तारीख किस आधार पर तय की गई है? 1947 के बाद वाले दौर में भारत अपेक्षाकृत बहुत गरीब था, लेकिन आज तो विश्व की 5वीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत है। सीएए पर जनता को उकसाना, भडक़ाना नहीं चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौते का भी जिक्र करता है, जिसके तहत शरणार्थियों को नागरिकता भी दी जा सकती है। केजरीवाल ने उत्तेजित अवस्था में कहा है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान के लोगों को भारत में बसाने का कानून बनाया गया है। कल हमारे देश में चोरियां, डकैतियां, बलात्कार होंगे। जगह-जगह दंगे भी भडक़ेंगे। देश की सुरक्षा-व्यवस्था का क्या होगा? केजरीवाल का आकलन है कि अब जो पलायन होगा, वह भारत-विभाजन से भी बड़ा और खतरनाक होगा। केजरीवाल के मुताबिक, तीनों पड़ोसी देशों से 2.5 करोड़ से अधिक लोगों का पलायन हो सकता है। भारत सरकार उन्हें कहां रखेगी? कहां घर देगी? कहां खाने को अनाज देगी? कितनी नौकरियां और रोजगार दिए जा सकेंगे? देश के आर्थिक संसाधन तो सीमित हैं। हमारे नौजवानों के लिए नौकरी, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं हैं और भाजपा ने देश के भीतर एक और पाकिस्तान को बसाने का कानून बनाया है। केजरीवाल ने सीएए को भाजपा का वोट बैंक तैयार करने की रणनीति करार दिया है। बहरहाल केजरीवाल के अपने तर्क और राजनीति-शास्त्र हो सकते हैं। वह सीएए पर सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाली भीड़ में शामिल नहीं होना चाहते, लिहाजा आर्थिक संसाधनों के आधार पर भावोत्तेजक राजनीति कर रहे हैं।

## नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साबित हुई

# ममता बनर्जी के लिए कहीं नंदीग्राम न बन जाए संदेशखाली

विकास सक्सेना

स्वतंत्र भारत के एक राज्य में सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार महिलाओं को अपनी 'निजी सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर रहा था यह सुनकर सभ्य समाज के किसी भी व्यक्ति की रूह तक कांप जाए। पीड़ति महिलाओं ने स्वयं आरोप लगाए हैं कि कबीलाई संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि वे रात को पार्टी कार्यालय पर आ जाएं अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडे वहां के पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि वह महिला पत्नी भले ही तुम्हारी हो लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा' है।

**अंग्रेजी** की एक प्रसिद्ध कहावत है कि एक कील की वजह से पूरा राज्य खो जाता है। इसको स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि कील की वजह से नाल, नाल की वजह से घोड़ा, घोड़े की वजह से युद्ध और युद्ध की वजह से राज्य से हाथ धोना पड़ जाता है। यही हाल लोकतंत्र में भी होता है। कई बार बहुत मजबूत दिख रहे नेता या दल के लिए कोई घटना उसके पतन का कारण बन जाती है। पश्चिम बंगाल इसका जीता जागता उदाहरण है। यहां 34 साल के वामपंथी शासन के लिए 14 मार्च, 2007 को नंदीग्राम में किसानों पर गोलीबारी की घटना विनाशकारी साबित हुई। कभी राज्य की 80 प्रतिशत से ज्यादा सीटें जीतने वाले वामदलों का आज यहां एक भी विधायक नहीं है। वामपंथियों को बेदखल करके यहां की सत्ता पर काबिज होने वाली ममता बनर्जी के लिए अब संदेशखाली का मामला वामपंथियों के नंदीग्राम की तरह साबित हो सकता है। इसके अलावा अब नागरिकता संशोधन कानून लागू करके केंद्र सरकार ने दीदी के लिए नई मुसीबत खड़ी कर दी है। स्वतंत्र भारत के एक राज्य में सत्ताधारी दल का नेता किस प्रकार महिलाओं को अपनी 'निजी सम्पत्ति' की तरह 'इस्तेमाल' कर रहा था यह सुनकर सभ्य समाज के किसी भी व्यक्ति की रूह तक कांप जाए। पीड़ति महिलाओं ने स्वयं आरोप लगाए हैं कि कबीलाई संस्कृति की तरह सुन्दर महिलाओं के घरों पर संदेश भेजे जाते थे कि वे रात को पार्टी कार्यालय पर आ जाएं अन्यथा सफेद साड़ी पहनने के लिए तैयार रहें। हालात इतने खौफनाक थे कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडे वहां के पुरुषों से सरेआम कहा करते थे कि वह महिला पत्नी भले ही तुम्हारी हो लेकिन उस पर अधिकार 'हमारा' है। मामला सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संदेशखाली गांव की महिलाओं का शोषण रोकने की जगह उनकी अस्मत से खेलने वाले पार्टी कार्यकर्ता शेख शाहजहां और उसके गुर्गों को बचाने में अपनी राजसत्ता की ताकत का इस्तेमाल किया। मुख्य आरोपित शेख शाहजहां के मामले में ममता बनर्जी एक के बाद एक गलती करती चली गईं। जब खाद्यान्न घोटाले के मामले में पूछताछ के लिए गए ईडी के अधिकारियों पर शेख शाहजहां और उसके गुंडो ने हमला किया तो उनको गिरफ्तार कराने की जगह यह जताने की कोशिश की गई कि किस तरह केंद्रीय जांच एजेंसियों को बंगाल में काम करने

से रोका जा सकता है। इस घटना के बाद गांव में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती की गई जिससे पीड़ति महिलाओं को नई ताकत मिल गई। उन्होंने शेख शाहजहां के जुल्मों के खिलाफ आवाज बुलंद की। लेकिन जब ये महिलाएं कैमरे के सामने आकर अपनी व्यथा सुना रही थीं उस समय राज्य की महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उनकी पीड़ा समझने के बजाए उन पर लांछन लगा रही थीं। ममता बनर्जी के सवाल हैरान करने वाले थे। वे अपनी पीड़ा बताने वाली महिलाओं के मुंह ढंकने पर सवाल उठा रही थीं। जबकि दुष्कर्म पीड़ताओं की पहचान उजागर करने पर रोक है। पीड़ताओं से पूछा जा रहा था कि उन्होंने अब तक पुलिस में शिकायत दर्ज क्यों नहीं कराई। महिलाएं बता रही थीं कि जब वे पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने जाती थीं तो उन्हें वापस शेख शाहजहां और उसके गुंडों के पास भेज दिया जाता था। शोषण की सारी सीमाएं पार होने के बाद सड़कों पर उतरी महिलाओं ने बाकायदा न्यायालय में शपथ पत्र देकर आप बीती बताई तो न्यायालय के दबाव में आरोपित शिबू हाजरा, उत्तम सरदार और शेख शाहजहां आदि के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हो गए। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों पर हमले के मामले में फरार चल रहे शेख शाहजहां को 56 दिनों तक सरकार बचाती रही। मामले के ज्यादा तूल पकड़ने और न्यायालय से फटकार लगने पर आखिरकार उसे गिरफ्तार किया गया पर उसे बचाने के लिए ममता बनर्जी की सरकार पूरी ताकत से जुटी रही। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद पश्चिम बंगाल की पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई के सुपुर्द नहीं किया। इसके बाद जब अवमानना का मामला दर्ज हुआ तो भी दो घंटा इंतजार कराने के बाद पश्चिम बंगाल की पुलिस ने शेख शाहजहां को सीबीआई के हवाले किया। न्यायालय जाते समय शेख शाहजहां की चाल - ढाल से उसके रुतबे का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। पश्चिम बंगाल के एक छोटे सुदूर गांव संदेशखाली जहां पहुंचने के लिए धामाखाली से नाव में सवार होकर इच्छामती नदी को पार करना पड़ता है। वहां की पीड़ताओं ने पूरे पश्चिम बंगाल के वातावरण का बदल कर रख दिया है। मां, माटी और मानुष की बात करने का दावा करने वाली ममता बनर्जी पर आरोप लग रहे हैं कि पीड़ताएं अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग की होने के कारण इनके लिए उनकी संवेदनाएं नहीं जगीं। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की राजनीतिक हैसियत का अंदाजा विधानसभा चुनाव 2021 के परिणामों से आसानी से लगाया जा सकता है। यहां की 292 विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में से 213 पर टीएमसी, 77 पर भाजपा और दो सीटों पर अन्य दलों के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। चुनाव नतीजे आने के बाद टीएमसी कार्यकर्ताओं ने अराजकता की सारी सीमाएं पार कर दीं। टीएमसी के गुंडो पर भाजपा समर्थक महिलाओं के साथ बलात्कार के भी आरोप लगे। इसके बाद किसी ने सिर मुंडवाकर तो किसी ने नाक रगड़कर भाजपा को छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया। अब कई सामाजिक और राजनीतिक चिंतकों का मानना है कि संदेशखाली ममता बनर्जी के लिए वामपंथियों के नंदीग्राम की तरह हो सकता है। विधानसभा चुनाव 2006 में 233 सीटें जीतकर सीपीएम नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य ने सत्ता में वापसी की थी। तब ममता बनर्जी की पार्टी महज 30 सीटों पर सिमट कर रह गई थी। लगातार तीन दशक के शासन के बावजूद प्रचंड जीत से उत्साहित बुद्धदेव भट्टाचार्य ने हल्दिया बंदरगाह के निकट एक छोटे गांव नंदीग्राम में केमिकल हब बनाने की जिद ठान ली। इसके लिए इंडोनेशिया के सलीम ग्रुप को 10 हजार एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया जाना था। लेकिन नंदीग्राम के किसानों ने अपनी जमीन देने से इनकार कर दिया। उनका नेतृत्व वहां के स्थानीय नेता और कांथी के विधायक शुभेंदु अधिकारी ने किया। ममता बनर्जी भी आंदोलनकारियों के साथ हो गईं। इन आंदोलनकारियों ने इस इलाके की नाकेबंदी करके सरकारी कर्मचारियों की आवाजाही पर रोक लगा दी। इससे बलपूर्वक निपटने के लिए आज से 17 साल पहले 14 मार्च को 2500 पुलिसकर्मियों का एक जत्था नंदीग्राम भेजा गया।

दृष्टि कोण

# लोकसभा चुनावों में कांग्रेस इस बार उत्तर प्रदेश में शून्य पर सिमट सकती है

**उत्तर** प्रदेश की राजनीति में जिस कांग्रेस का हमेशा अपर हैंड रहता था, वह अब दूसरों के रहम-ओ-करम पर राजनीति करने को मजबूर हो गई है। प्रदेश में ना उसका वोट बैंक बचा है, ना नेता और संगठन। हाँ, यदि हवा-हवाई बातों से पार्टी को फायदा हो पाता तो जरूर यूपी में कांग्रेस टॉप पर होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। आज का मतदाता अपने नेताओं पर बारीकी से नजर रखता है। इस कसौटी में कांग्रेस की टॉप लीडरशिप और गांधी परिवार पूरी तरह से नाकामयाब रहा है। कांग्रेस के विधान सभा और लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन के आंकड़े भी चुनाव-दर-चुनाव उसके जनाधार खिसकने के साक्षी हैं। यह गिरावट 1984 के बाद चार दशक में आई है। 1984 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सभी 85 सीटों (तब उत्तराखंड की भी पांच सीटें शामिल) पर चुनाव लड़ी थी और 83 सीटों पर जीत हासिल की थी। भले ही तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस के साथ जनभावनाओं का ज्वार था, जिसके सहारे पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपने प्रदर्शन के शिखर को छुआ।

यह वह दौर था जब राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का एकछत्र राज था और बीजेपी की एंट्री भर हुई थी, लेकिन उसकी राजनैतिक विचारधारा कांग्रेस से उलट थी। बीजेपी तुष्टिकरण की जगह हिन्दुत्व की बात करती थी। अयोध्या, काशी और मथुरा उसके एजेंडे में प्रमुख रूप से शामिल थे, जिससे कांग्रेस हमेशा किनारा करती रही थी। वहीं क्षेत्रीय दलों के रूप में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी जातिवादी राजनीति को आगे बढ़ा रहे थे। प्रदेश की राजनीति में बदले समीकरणों ने जहां दूसरे दलों के लिए नई संभावनाएं जगाईं, वहीं कांग्रेस को अपनों से मायूसी ही मिलती गई। 1984 में 51.03 प्रतिशत वोट हासिल करने वाली कांग्रेस फिर ऐसे जनाधार को वापस नहीं हासिल कर सकी। आज उसका जनाधार दो प्रतिशत में सिमट गया है। दरअसल, प्रदेश में सपा व बसपा के उदय के साथ ही कांग्रेस पीछे होती गई और भाजपा की प्रखर हिंदुत्व वाली छवि ने उसकी राह और मुश्किल कर दी। ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम कांग्रेस के परंपरागत वोटर माने जाते थे। सपा के उदय के साथ मुस्लिम कांग्रेस से छिटक कर उसके पाले में चला गया। बसपा ने कांग्रेस के दलित वोट बैंक पर कब्जा कर लिया। कांग्रेस से मोहभंग के बाद ब्राह्मणों ने भाजपा का दामन थाम लिया। वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड के अलग होने के बाद की बात की जाए तो कांग्रेस वर्ष 2009 के लोकसभा चुनाव में 80 सीटों पर लड़ी थी और 21 सीटों पर जीत हासिल की थी। पिछले ढाई दशक में यह कांग्रेस का सर्वाधिक उत्साहित करने वाला प्रदर्शन था। इसके पीछे कांग्रेस की मनरेगा व खाद्य सुरक्षा को लेकर नीतियों की बड़ी भूमिका मानी गई थी। कांग्रेस केंद्र में दोबारा सरकार बनाने में सफल हुई थी। इसके बावजूद कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अपनी साख को बचाए रखने में कामयाब नहीं रही। उत्तर प्रदेश में अपना जनाधार बढ़ाने के लिय पार्टी ने कई प्रयोग भी किए। राहुल गांधी को यूपी में पैर पसारने के लिये खुली छूट दी गई, इसके नतीजे उत्साहवर्धक नहीं आये तो प्रियंका वाड्रा को प्रदेश का प्रभारी भी बनाया गया, लेकिन बूथ स्तर पर कमजोर हुई पार्टी के सामने कार्यकर्ताओं में पुराना जोश भरना सपना ही रहा। उधर, कांग्रेसी नेता आपस में टांग खिंचाई करते रहे, जिसकी वजह से पार्टी में अंतरकलह भी बढ़ता गया। 2014 लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में 2009 का अपना प्रदर्शन दोहराने को तरसती ही रही। नेहरू-गांधी परिवार का उत्तर प्रदेश से गहरा रिश्ता होने के बाद भी पार्टी खोया दमखम नहीं जुटा सकी। पिछले चुनाव में कांग्रेस रायबरेली की एकमात्र सीट पर ही जीत का स्वाद चख सकी थी। पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी से राहुल गांधी तक हार गये।

कुछ अलग

# हनुमान ने शनिदेव को कैसे किया शांत

**एक** समय हनुमान, हिमालय पर्वत पर तपस्या में लीन थे। तभी उनके पास सूर्य-पुत्र शनिदेव पहुंच गए। शनिदेव लोगों को कष्ट देने के लिए आज भी प्रसिद्ध हैं। शनिदेव इसी मंशा से हनुमान के पास गए थे। हनुमान ने शनिदेव से आने का कारण पूछा, तो शनिदेव ने कह दिया, 'मैं लोगों के शरीर में प्रवेश करके उन्हें कष्ट देता हूं और आपके पास भी इसी उद्देश्य से आया हूं।' हनुमान बोले, 'मेरे भीतर तो केवल राम रहते हैं; तुम कहां रहोगे?' इस पर शनिदेव ने हंसकर कहा, 'मैं ढाई वर्ष तक मस्तिष्क में, अगले ढाई वर्ष उदर के भीतर और अंतिम ढाई वर्ष उदर से नीचे रहकर व्यक्ति को निषक्रिय कर देता हूं। आपके साथ भी यही करूंगा।' हनुमान तुरंत तैयार हो गए और बोले, 'तो फिर मेरे सिर पर सवार हो जाओ।' शनिदेव ने जैसे ही हनुमान के मस्तिष्क में प्रवेश किया, हनुमान के सिर में दर्द होने लगा। परंतु उन्हें शनिदेव से निपटने का तरीका आता था। उन्होंने एक बड़ी-सी शिला उठाई और अपने सिर पर रख ली। शनिदेव पीड़ा से चिल्ला उठे। लेकिन हनुमान ने उस पर ध्यान नहीं दिया। फिर एक और शिला उठाकर सिर पर रख ली। अब शनिदेव के लिए संकट खड़ा हो गया। वे आए थे हनुमान को कष्ट देने, लेकिन स्वयं कष्ट में फंस गए! अब शनिदेव, हनुमान से मोल-भाव करने लगे। 'यदि आप मुझे छोड़ दें, तो मैं आपके कष्ट की अवधि साढ़े सात वर्ष से घटाकर साढ़े सात दिन कर दूंगा !' इस पर हनुमान तपाक से बोले, 'तुम मेरे लिए अपना नियम मत बदलो। मेरा सिरदर्द जब तक ठीक नहीं होगा, मैं सिर पर शिलाएं रखता जाऊंगा।' हनुमान ने एक और शिला उठा ली, लेकिन इससे पहले कि उसे सिर पर रखते, शनिदेव ने बिलखते हुए कहा, 'प्रभु, मुझसे भूल हो गई। मुझे क्षमा कर दीजिए। मैं आपको कभी कष्ट नहीं दूंगा।' हनुमान ने कहा, 'मुझे नहीं दोगे, लेकिन दूसरे लोगों को तो कष्ट दोगे ! मैं आज पूरा उपाय करके ही तुम्हें छोडूंगा।' यह कहकर हनुमान ने तीसरी शिला भी सिर पर रख ली। शनिदेव का तो जैसे दम ही निकल गया ! उन्होंने विनती की, 'हे रामदूत ! दया कीजिए! मैं आपको वचन देता हूं कि जो भी आपको स्मरण करेगा, उसे कभी मुझसे कष्ट नहीं होगा।' तब हनुमान ने प्रसन्न होकर शनिदेव को मुक्त कर दिया। इसीलिए कहते हैं, हनुमान का नाम लेने से शनिदेव के कोप से रक्षा हो जाती है। एक अन्य कथा भी प्रसिद्ध हैं...शनिदेव ने हनुमान का बहुत यश सुना था। शनिदेव को लगा कि यदि वह हनुमान को परास्त कर दें, तो उनका अपना यश बढ़ जाएगा। इस उद्देश्य से शनिदेव ने हनुमान को चुनौती दे डाली। 'हनुमान ! मैं ग्रहों में सर्वशक्तिमान शनि हूं। विश्व 'मेरे नाम से कांपता है। यदि साहस है, तो मुझसे युद्ध करो !' हनुमान, शनिदेव से लड़ने को उत्सुक नहीं थे। उन्होंने विनम्रतापूर्वक शनिदेव से कहा, 'मैं वृद्ध हो चुका हूं तथा श्रीराम नाम के अतिरिक्त मेरी किसी कार्य में रुचि नहीं है। आप बहुत बलवान हैं, इसलिए आपको अपने समान किसी बलशाली से युद्ध करना चाहिए।' शनिदेव ने हनुमान की विनम्रता को उनकी कायरता समझने की भूल कर दी। इससे शनिदेव का दुस्साहस और बढ़ गया। उन्होंने हनुमान से कहा, 'मैं आ गया हूं, तो युद्ध किए बिना नहीं जाऊंगा। अन्यथा आप अपनी पराजय स्वीकार कर लीजिए।' तब हनुमान ने शनिदेव का अहंकार तोड़ने का निश्चय किया। उन्होंने शनिदेव को अपनी पूंछ में बांध लिया। शनिदेव छटपटाने लगे, लेकिन बहुत प्रयास करने के बावजूद हनुमान की पकड़ से मुक्त नहीं हो सके। सहसा हनुमान उछले और ऊबड़-खाबड़ पथरीले रास्तों पर बेतहाशा दौड़ने लगे। इस दौरान, हनुमान अपनी पूंछ को शिलाओं पर पटकते जाते थे।

देश दुनीया से

# जंगल की शेरनी का सफरः कश्मीर की वादियों से घने जंगलो तक

भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिंसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिर्फ शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति का प्रमाण है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करके रूढ़ियों को तोड़ा। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने न केवल वन्यजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती हैं की जब भी आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान के बनाये एक मंदिर में हो।

**भारत** के हृदय में, जहां जंगलों और नदियों के रहस्यमय परिदृश्य मिलते हैं, वहां एक ऐसी कहानी मौजूद है जो इस भूमि की तरह ही मंत्रमुग्ध कर देने वाली है। ये कहानी है भारत की बाघ राजकुमारी लतिका नाथ की, जिसमें साहस, जुनून और प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम शामिल है। ऐसी दुनिया में जहां जंगली जानवर लगातार खतरे में हैं, लतिका आशा की किरण बनकर खड़ी है और जंगलों में रहने वाले जीवों की रक्षा के लिए अथक प्रयास कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस उपलक्ष्य में, लतिका नाथ के साथ हुए साक्षात्कार (इंटरव्यू) की एक झलक को प्रस्तुत किया है जिसकी यात्रा शक्ति, जुनून और वन्यजीव संरक्षण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के प्रतीक के रूप में सामने आती है। भारत की बाघ राजकुमारी (दी टाइगर प्रिंसेस) के रूप में जानी जाने वाली लतिका की कहानी सिर्फ शाही विरासत के बारे में नहीं है, बल्कि उन महिलाओं की शक्ति का प्रमाण है जो बाधाओं को तोड़ती हैं और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ अपनी नियति को आकार देती हैं। एक फोटोग्राफर के रूप में, लतिका ने जंगल के बीचों-बीच जाकर, उसकी सुंदरता और चुनौतियों का दस्तावेजीकरण करके रूढ़ियों को तोड़ा। अपने लेंस के माध्यम से, उन्होंने न केवल वन्यजीवों की असुरक्षा को बल्कि महिला भावना की ताकत और लचीलेपन को भी प्रदर्शित किया। लतिका मानती हैं की जब भी आप किसी ऐसी जगह जाते हैं जहां पर प्रकृति अपने आप में संपूर्ण होती है तब ऐसा लगता है की आप भगवान के बनाये एक मंदिर में हो। और जैसे लोग खुद को फोकस्सड रखने के लिए मैडिटेशन करते हैं और जैसा उस समय वो लोग महसूस करते है, मुझे वैसा ही महसूस होता है जब में प्रकृति क नज़दीक होती हूं फिर चाहे वो हिमालय की छोटी हो या फिर घाना जंगल, या एक शेर के साथ बैठना या फिर किसी कछुए को समुद्र से आते देखना या फिर एक चिड़िया को अपना घोसला बनाते हुए देखना ये नजारा सच में मंत्र मुग्ध कर देने वाला होता है। कैमरा के लेंस से जब हम एक चीज पर फोकस करते हैं तब हम सारी दुनिया भूल जाते है और यही उनके लिए मैडिटेशन है। लतिका की यात्रा में एक गहरा मोड़ आया क्योंकि वह वन्यजीव संरक्षण के लिए एक सशक्त शक्ति के रूप में विकसित हुई। मुख्य रूप से पुरुषों के कब्जे वाले क्षेत्र में, उन्होंने निडर होकर भारत की लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के लिए अपने प्रयासों को समर्पित करते हुए, इस मुद्दे का समर्थन किया। लतिका ने साझा किया की बहुत से पुरुष कंजर्वेशनिस्ट्स ने भी उन्हें अपना निशाना बनाया और जिसकी वजह से लतिका को शोध तक छोड़नी पड़ी। परिवार और दोस्तों से सहायता मिलने के बावजूद यह यात्रा फूलों से भरी तो बिलकुल भी नहीं थी। आज से करीब 30 दशक पहले जब मुट्ठी भर औरतें विज्ञान जैसे सब्जेक्ट में अपना भविष्य बनाने के बारे में सोचती थी और उसमे भी अगर कोई महिला वन्य जीवन (वाइल्डलाइफ) जैसी फील्ड में जाना चाहती हो जो की बेहद जोखिम भरी होने के साथ साथ पुरुष प्रमुख थी उसमे आगे बढ़ना चाहती है तो यकीन मानिए समाज में कुछ पुरुष प्रधान सोच रखने वाले लोगो की कमी नहीं रही होगी जिन्होंने हर कदम पर मुश्किलें खड़ी की और हर कदम पर ये जताने की कोशिश की होगी की एक औरत कैसे काम करेगी इस फील्ड में और ये सिलसिला शुरुआत के कुछ

सालो तक नहीं बल्कि बहुत लम्बे समय तक चलता रह। लेकिन वह मानती हैं की जब आप खुद पर भरोसा करते है की आपको इसी राह में आगे बढ़ना है तो कोई मुश्किल आपका रास्ता नहीं रोक सकती। हम अपने आप में सौभाग्यशाली है की हमारी इतनी आबादी होने के बावजूद हम इस पृथ्वी के सबसे ज्यादा जैव विविधता से भरपूर की में हैं और हमारे अंदर एक अंदरूनी भावना है की हम पृथ्वी और प्रकृति का इतना आदर करते है। भारत सही दिशा में कदम बढ़ा रहा है लेकिन अपनी बहुत काम करना बाकी है और समय की मांग यही है की सिटीजन साइंस, प्राइवेट सेक्टर, और गवर्नमेंट एक जुट होकर प्रकृति को बचाए। लतिका बताती हैं की अगर हम प्लेनेट अर्थ के इतिहास को खंगाले तो हम देखेंगे की परिवर्तन हमेशा से हुए है और प्रकृति अपने तरीके से इंसान को दिखा रही है की यूं तो इंसान खुद को बहुत शक्तिशाली तो समझता है लेकिन वो भी मात्र एक भाग है प्रकृति का क्योंकि अगर पृथ्वी पर जीवन ही खत्म हो जयेगा तो इंसान का वजूद भी खत्म हो जएगा। इसीलिए हमें अपने तरीके बदलने होंगे और हम सभी को मिलकर इसे सफल बनाना होगा। लतिका की कहानी भावनात्मक स्तर पर गूंजती है, न केवल एक संरक्षणवादी के रूप में बल्कि एक महिला के रूप में जो पुरुष-प्रधान क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। लतिका में, हम एक ऐसी महिला को पाते हैं जो मनुष्यों और वन्यजीवों के बीच की दीवारों को तोड़ती है

आप का नजरीया

# केवल और केवल अनुराग

**सियासत** के अद्भुत प्रतीक और शिनाख्त के पदिचन्हों में राजनीतिक सपूत चुनने की कवायद में आगामी लोकसभा चुनाव की दृष्टि सामने आ रही है। पांचवीं बार हमीरपुर लोकसभा के अपने अभेद्य दुर्ग पर अनुराग ठाकुर को भाजपा, लोकसभा में मुकाम दिखा रही है। शिमला से सुरेश कश्यप पर भरोसा जताने के बावजूद मंडी का जौहर दिखाने में भाजपा की सियासी किफायत और कांगड़ा की दौड़ में हिम्मत दिखाने की कंजूसी अभी सूची से बाहर नहीं आई, लेकिन पार्टी का जलबा इस बार हमीरपुर संसदीय सीट के सामने मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के प्रभुत्व की मांद में जरूर नई कहानी लिखना चाहेगा। प्रदेश के विधानसभा चुनाव में एकतरफा जीत के दो शंखनाद हुए थे, तो मंडी में भाजपा का वर्चस्व लोकसभा चुनाव की तासीर में पूर्व सरकार की छवि की पहरेदारी में क्या नया हासिल करता है, यह देखना होगा। यहां पूर्व मुख्यमंत्री जयराम की छत्रछाया में कोई नया नाम, कोई नया दांव, अपनी परख के हथौड़े की तरह टन-टन कर रहा है, तो कांगड़ा में भाजपा की सूची उस शोहरत से मुकाबिल है जहां वर्तमान सांसद किशन कपूर ने सात लाख से अधिक वोट जुटा कर ऐतिहासिक काम किया था। लोकसभा चुनाव की पात्रता में विधानसभा चुनाव की दक्षता का ईनाम क्या होगा, इसका फैसला कांग्रेस को भी कांगड़ा में करना है। सुक्खू सरकार के गठन और सत्ता के संगठन में दस विधायकों की जुंबिश लगा कांगड़ा के जिस आधार ने भाजपा को निराधार किया था, उसके आश्रालय में संसदीय चुनाव की अनुगूंज चंबा तक आंखें खोल कर देख रही है। जिला से कुल दो मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष, चंद कैबिनेट रैंक और कुछ नियुक्तियों की पैमाइश के बूते कांगड़ा संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस का शीर्षासन इसलिए भी देखा जाएगा, क्योंकि सुधीर शर्मा जैसे चेहरे को दरकिनार करके पार्टी अपने वजूद की नई पैरवी कर रही है। यहां से सत्ता के पाले में जितने पद भरे हैं, उनमें से शाहपुर के विधायक केवल सिंह पठानिया का रुतबा अब हाथों में व्हिप लेकर अपनी मंजिलें बता रहा है। तमाम नियुक्तियों और तरह-तरह के पदभारों से सुसज्जित चेहरों के बीच केवल केवल सिंह पठानिया क्यों लोकसभा चुनाव से पूर्व अलग नजर आने लगे हैं, यह बदली कांगड़ा की सियासत में सरकार के खास नजर आने लगे हैं। केवल सिंह का गैर परिवारवाद तथा कभी कांगड़ा की ललकार रहे मेजर विजय सिंह मनकोटिया के व्यूह चक्र से निकल कर मुख्य सचेतक तक पहुंचना, वीरभद्र सिंह की आभा में चलती रही पार्टी की नई प्रतिभा है। कांग्रेस बदल रही है और बदल रहा है इसकी आभा का केंद्र। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस महज सत्ता नहीं सत्ता का नया पौधारोपण भी है। इस लिहाज से यह सरकार, सरकार के मुखिया तथा उपमुख्यमंत्री की सबसे बड़ी परीक्षा का द्वार भी है। सरकार इसी संसदीय सीट से पार्टी व दो सहयोगी निर्दलीयों समेत पांच विधायकों को बाहर का रास्ता दिखा कर अपना रास्ता साफ करती हुई दिखाई दी है, लेकिन अपने कांटों के बाहर भाजपा के साम्राज्य की दीवारों पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के हस्ताक्षर स्पष्ट हैं।

# लोस चुनाव : उत्तर प्रदेश की 48 सीटों पर हैट्रिक लगाना है भाजपा का लक्ष्य

**लखनऊ ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश की कुल 80 लोकसभा सीटों में से 48 पर भाजपा हैट्रिक लगाने के लिए प्रयासरत है। नौ सीटें ऐसी हैं, जहां वह तीन बार और इससे ज्यादा बार से जीतती आ रही है। विपक्ष भी पिछले चुनाव में जीती सीटों की गिनती बढ़ाने की कोशिशों में जुटा है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की आंधी में विपक्ष का तंबू उखड़ गया था। उसकी झोली में मात्र 07 सीटें आई थीं। वर्ष 2019 के चुनाव में विपक्ष 16 सीटें जीतने में कामयाब रहा। इस बार प्रदेश में भाजपा ने सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा-रालोद ने गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए सपा-बसपा ने अपनी विचारधारा और रीति-नीति से हटकर मजबूरी में गठबंधन किया। हालांकि वो भाजपा के विजय रथ को पूरी तरह रोक नहीं पाया। सपा को 5, बसपा को 10 सीटें मिलीं, तो वहीं रालोद के हाथ खाली ही रह गए। कांग्रेस अकेले मैदान में उतरी थी। उसके हिस्से में एक मात्र रायबरेली सीट आई। उसके बड़े नेता राहुल गांधी अमेठी की पुश्तैनी सीट भाजपा के हाथों गंवा बैठे। राज्य में 56 सीटें ऐसी थीं जहां भाजपा ने लगातार वर्ष 2014 एवं 2019 में जीत दर्ज की। वाराणसी, मेरठ, गाजियाबाद, आगरा, आंवला और बांसगांव सीट पर भाजपा ने लगातार तीन चुनाव (2009, 2014 और 2019) जीते हैं। यहां वो चौथी बार जीत की तैयारियों में जुटी है। पीलीभीत सीट 2004 से भाजपा के खाते में हैं। गोरखपुर लोकसभा सीट पर वर्ष 2018 के उपचुनाव को छोड़ दें तो भाजपा यहां लगातार पिछले तीन दशक से इस पर जीत दर्ज करती आ रही है। वहीं लखनऊ सीट पर भी भाजपा पिछले ढाई-तीन दशक से जीत दर्ज कर रही है। पिछले चुनाव में भाजपा 16 सीटें गंवा दी थी। इनमें गाजीपुर, लालगंज, नगीना, रायबरेली, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, अंबेडकरनगर, घोसी, सहारनपुर, श्रावस्ती, जौनपुर, मैनपुरी, सम्भल, आजमगढ़ और रामपुर थीं। वर्ष 2022 में रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने जीत दर्ज कर अपनी सीटों में इजाफा किया। वर्ष 2014 के आम चुनाव में भाजपा रायबरेली, अमेठी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, बदायूं, कन्नौज और आजमगढ़ सीटों पर विजय पताका नहीं फहरा पाई थी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक 2024 के आम चुनाव में भाजपा के रणनीतिकारों ने पिछले चुनाव में हारी हुई सीटों को जीतने पर ध्यान केंद्रित किया है। साथ ही 48 सीटों पर हैट्रिक लगाने के लिए भी सारे गुणा-भाग और समीकरण सेट किए हैं। भाजपा ने इस बार उत्तर प्रदेश में पश्चिम से पूर्वांचल तक एनडीए के कुनबे का विस्तार अपनी जीत को बड़ा बनाने के लिए किया है। भाजपा इस बार 74 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। छह सीटें उसने अपने सहयोगी दलों रालोद (02 सीट), निषाद पार्टी (01 सीट), सुभासपा (01 सीट) और अपना दल सोनेलाल (02 सीट) को दी हैं। असल में भाजपा इस बार कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं दिखती। वो एक-एक सीट पर चिंतन-मंथन और समीकरणों के हिसाब से उम्मीदवार उतारकर 2014 के अपने ही रिकार्ड को तोड़ना चाहती है। पार्टी उम्मीदवारों की पहली सूची में भाजपा ने प्रदेश में 51 उम्मीदवारों का ऐलान किया। पार्टी ने 47 पुराने चेहरों को रिपीट किया, केवल चार सीटों पर नए उम्मीदवार उतारे हैं। प्रदेश की जिन सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान होना बाकी है, उनमें ज्यादातर वो सीटें हैं, जिन पर पिछली बार पार्टी को निराशा हाथ लगी थी। सूत्रों के अनुसार इन सीटों पर विपक्षी दलों की रणनीति और चाल पर पार्टी की नजर है। इसके अलावा जीत के समीकरणों और अन्य बिंदुओं पर चिंतन-मंथन से उम्मीदवारों के ऐलान में देरी हो रही है। बरेली, शाहजहांपुर, कैसरगंज, खीरी, भदोही, सीतापुर, मिश्रिख, हरदोई, मोहनलालगंज, उन्नाव, सुल्तानपुर, अकबरपुर, अयोध्या, बाराबंकी, फतेहपुर सीकरी, बहराइच, गोंडा, बस्ती, डुमरियागंज, महाराजगंज, गौतमबुद्ध नगर, सलेमपुर, देवरिया, बलिया, मछलीशहर, चंदौली, फूलपुर, प्रयागराज, संतकबीर नगर, फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर, झांसी, जालौन, धौरहरा, कानपुर, इटावा, फर्रूखाबाद, कुशीनगर, एटा, मथुरा, हाथरस, अलीगढ़, बुलंदशहर, कौशाम्बी, बागपत, मुजफ्फरनगर और कैराना पर हैट्रिक की तैयारी पार्टी कर रही है। वाराणसी, लखनऊ, आंवला, मेरठ, आगरा, गाजियाबाद, बांसगांव और पीलीभीत पर भाजपा तीन या उससे ज्यादा बार जीत चुकी है।

# लोकसभा चुनाव : भाजपा-कांग्रेस जल्द कर सकती है शेष नामों की घोषणा

**जयपुर ( हिंस )।** लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने अब तक अघोषित क्षेत्रों के अपने उम्मीदवारों के चयन की मशक्कत तेज कर दी है। भाजपा अब तक 15 और कांग्रेस 10 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। शेष लोकसभा क्षेत्रों के दोनों पार्टी एक दो दिन में अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर सकते हैं। नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय पर सोमवार को राजस्थान कोर कमेटी की बैठक में जयपुर, जयपुर ग्रामीण, अजमेर, दौसा, भीलवाड़ा, गंगानगर, झुंझुनूं, करौली- धौलपुर, राजसमंद, टोंक-सवाई माधोपुर के लिए उम्मीदवारों के नामों पर विचार विमर्श किया गया। संभावना है कि एक-दो दिन में नामों की घोषणा हो सकती हैं। राजस्थान के बारे में पहली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में भी चर्चा हो चुकी है। मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृहमंत्री अमित शाह के अलावा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और सह प्रभारी विजया राहटकर शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि भाजपा ने राजस्थान की कुल 25 लोकसभा सीटों में से अब तक 15 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। यह सभी नाम केंद्रीय संगठन की ओर से जारी पहली ही सूची में शामिल किए गए थे। अभी भी 10 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान होना बाकी है। इनमें अजमेर, भीलवाड़ा, दौसा, गंगानगर, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, झुंझुनूं, करौली-धौलपुर, राजसमंद, टोंक-सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र शामिल हैं। इधर, कांग्रेस भी शेष 15 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों पर मंथन के लिए मंगलवार और बुधवार को केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बैठक बुलाई है। इससे पहले कांग्रेस 10 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। इस बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई अन्य नेता शामिल होंगे। इससे पहले कांग्रेस ने राजस्थान की जिन 10 लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है, उनमें बीकानेर से गोविंद राम मेघवाल, चुरू से राहुल, कस्बा झुंझुनू से बृजेंद्र ओला, अलवर से ललित यादव, भरतपुर से संजना जाटव, टोंक सवाई माधोपुर से हरिशचंद्र मीणा, जोधपुर से करण सिंह उचियारड़ा, जालौर-सिरोही से वैभव गहलोत, उदयपुर से ताराचंद मीणा और चित्तौड़गढ़ से उदय लाल अंजना के नाम शामिल हैं।

# बिहार में बिना प्रश्न-पत्र लीक हुए परीक्षा हो जाए तो बड़ी खबर होगी : प्रशांत किशोर

**पटना ( हिंस )।** जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा टियर थर्ड के पेपर लीक मामले में कहा कि बिहार में यह रोजमर्रा की घटना बन गई है। पिछले बार भी जब बीपीएससी का पेपर लीक हुआ था तब बहुत सारे छात्रों ने मुझसे कहा था कि आप इस पर कुछ बोलिए, ट्वीट कीजिए। मैंने उस समय भी कहा था और अब भी कह रहा हूं कि पिछले 10 सालों में 60 से ज्यादा अलग-अलग परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं लेकिन इस पर कोई जवाबदेही तय नहीं कर रहा है। प्रशांत ने कहा कि पिछली बार बीपीएससी पेपर लीक होने के बाद जिस व्यक्ति को मामले में दोषी पाया गया उसकी कुछ दिनों बाद ही बड़े मंत्रियों के साथ बड़े-बड़े फोटो अखबार में छपी। जब शिक्षा मंत्री और पूर्व शिक्षा मंत्री सबकी साठ-गांठ और फोटो छपेगी तो प्रश्न पत्र लीक नहीं होगा तो क्या होगा? बिहार में प्रश्न-पत्र का लीक होना कोई न्यूज नहीं है। हां! बिना प्रश्न-पत्र लीक हुए परीक्षा हो जाए, वो जरूर न्यूज है।

# राजस्थान की सभी 25 सीटों पर खिलाएंगे कमल : शेखावत

**जोधपुर ( हिंस )।** जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि लोकसभा चुनावों में हम सब परिश्रम की पराकाष्टा पर आगे बढ़ते हुए राजस्थान की 25 की 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। हम सभी छोटी-छोटी न्यूताओं को भुलाते हुए इस लक्ष्य को हासिल करेंगे, जिससे प्रधानमंत्री जी के 400 पार के संकल्प को पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2047 में विकसित भारत बनाने के दृष्टिकोण से आने वाला चुनाव काफी महत्वपूर्ण है, इसलिए हम सबको प्रचंड जीत के लिए शिद्धत के साथ जुट जाना है। गजेन्द्र सिंह शेखावत और भजनलाल शर्मा भाजपा की जोधपुर, पाली, बाड़मेर-जैसलमेर और जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र की कलस्टर बैठक को संबोधित कर रहे थे। शेखावत ने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम की बदौलत विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें जोधपुर संभाग ने जीतीं। इन्हीं कार्यकर्ताओं के परिश्रम की बदौलत हम लोकसभा चुनाव में भी सबसे अधिक वोटों के साथ इस मारवाड़ की धरती से सबसे अधिक सीटें जीतेंगे। उन्होंने कहा कि इसी लक्ष्य को पूरा करने के मकसद से हम सब भाजपा कार्यकर्ता पार्टी को प्रचंड बहुमत से जीतने के लिए निकल पड़े हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह कार्यकर्ताओं के परिश्रम का ही प्रतिफल था कि वर्ष 2014 में 30 साल से चली आ रही मिलीजुली सरकार की प्रथा समाप्त हुई। भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनी। यह सिलसिला वर्ष 2019 में भी बरकरार रहा और राजस्थान से 25 की 25 सीटें जीतने में पार्टी को सफलता मिली। शेखावत ने कहा कि जिसे इस बार भी बरकरार रखते हुए प्रधानमंत्री जी के 400 पार के संकल्प को पूरा करना है। उन्होंने कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 400 पार के संकल्प के तहत पूरे देश में काम किया है, उसी श्रृंखला में पार्टी का हर कार्यकर्ता भी जुट गया है, जिससे विकसित भारत के सपने को साकार किया जा सके। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता से लेकर श्रेष्ठ पदाधिकारी भी मां भारती की सेवा में जुटा हुआ है। यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम सबने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का सपना देखा है, उसी सपने के तहत में हमें सबसे मजबूत और सिरमौर भारत बनाने

के लिए काम करना है। कांग्रेस का नाम लिए बगैर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों ने आजादी के लिए काम कम किया, लेकिन आजादी का उपयोग ज्यादा किया। उन्होंने अपनी ऐसी नीति के चलते देश को भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की गर्त में धकेल दिया। उन्होंने कहा कि चाहे देश में या राज्यों में, सबसे अधिक राज एक पार्टी ने ही किया, लेकिन यह दुखद है कि आजादी के 70-75 सालों तक भी गांवों में शिक्षा और चिकित्सा की बात की जाती है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक समय तक राज करने वाली इस पार्टी ने गांव और शहरों के बीच दूरियां बढ़ा दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद दुनिया में भारत का डंका बज रहा है और आने वाले दिनों में भारत दुनिया का मुकुट होगा। दुनिया भारत की तरफ देखेगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1893 में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। उन्होंने कहा था-उठो, जागो और दुनिया में छा जाओ। स्वामी विवेकानंद जी द्वारा कहीं बातें वर्ष 2014 के बाद से साकार हो रही हैं और पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में भारत को विकसित भारत बनाने के दृष्टिकोण से आने वाला चुनाव काफी महत्वपूर्ण है, इसलिए हम सबको प्रचंड जीत के लिए शिद्धत के साथ जुट जाना है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, पाली सांसद पीपी चौधरी, राजस्थान के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, गजेंद्र सिंह खींवसर, जोराराम कुमावत, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, जालोर-सिरोही से भाजपा प्रत्याशी लुंबाराम चौधरी, जोधपुर शहर अध्यक्ष देवेंद्र सालेचा, जोधपुर दक्षिण के अध्यक्ष जगराम बिश्नोई, जोधपुर उत्तर के अध्यक्ष मनोहर पालीवाल, जैसलमेर जिला अध्यक्ष चंद्रप्रकाश साहड़ा समेत बड़ी संख्या में विधायक, जनप्रतिनिधि, भाजपा प्रदेश पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# जनसंघ के रामरतन शर्मा ने 22 हजार रुपए में जीत लिया था लोकसभा चुनाव

**बांदा ( हिंस )।** लोकसभा चुनाव जीतने के लिए प्रत्याशी पानी की तरह पैसा बहाते हैं। अनाप-शनाप खर्च पर अंकुश लगाने के लिए निर्वाचन आयोग ने 70 लाख रुपए खर्च की सीमा निर्धारित की है। जबकि 50 साल पहले लोकसभा चुनाव बांदा चित्रकूट संसदीय सीट से प्रत्याशी रहे राम रतन शर्मा ने मात्र 22 हजार रुपए खर्च कर जीत लिया था। उस समय भी अन्य प्रत्याशी चुनाव जीतने पर लाखों रुपए खर्च करते थे। इतने कम रुपए में चुनाव जीतकर रामरतन शर्मा ने एक उदाहरण प्रस्तुत किया था। जिससे अन्य प्रत्याशियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस समय लोकसभा चुनाव में धन और बाहुबलियों का बोलबाला है। जो मतदाताओं को अपने पाले में खींचने के लिए अनाप-शनाप पैसा खर्च करते हैं। मतदाताओं को पैसे का प्रलोभन देते हैं, इसके अलावा तमाम गिफ्ट का लालच देकर उन्हें अपने पक्ष में वोट डालने के लिए बाध्य करते हैं। जबकि पहले ऐसा नहीं होता था। अपनी पसंद का प्रत्याशी चुनने के लिए मतदाता बिना किसी लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करते थे। यही वजह है कि तब प्रत्याशियों को चुनाव जीतने के लिए लाखों रुपए नहीं फूंकने पडते थे। अगर हम यूपी के बांदा चित्रकूट संसदीय क्षेत्र की बात करें तो यहां से 1971 में जनसंघ के टिकट पर चुनाव लड़े राम रतन शर्मा ने कम खर्च में चुनाव जीतने का रिकॉर्ड बनाया था। इस बारे में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष और दिवंगत पूर्व सांसद रामरतन शर्मा के पुत्र अशोक त्रिपाठी जीतू बताते हैं कि उनके पिता राम रतन शर्मा को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई बहुत चाहते थे। सन 1971 के लोकसभा चुनाव में जनसंघ के टिकट पर पिताजी जी प्रत्याशी बनाए गए थे। तब चुनाव धनबल से नहीं पसीना बहा कर जीता जाता था। प्रत्याशी लग्जरी गाड़ियों के बजाय साइकिल, बैलगाड़ी और पैदल ही प्रचार करते थे। प्रचार के दौरान प्रत्याशियों को जिस गांव में भूख लगती थी उस गांव में किसी मतदाता के दरवाजे पर रुक जाते थे और वही भोजन पानी भी कर लेते थे। इसकी वजह से उनका चुनाव खर्च कम होता था। अशोक त्रिपाठी जीतू बताते हैं कि उनके पिता राम रतन शर्मा को चुनाव लड़ने के लिए पार्टी की ओर से 40 हजार रुपए दिए गए थे। चुनाव जीतने के बाद पिताजी के पास उस पंड के 18 हजार रुपए बच गए थे। इस तरह उन्होंने मात्र 22 हजार रुपए में ही पूरा चुनाव जीत लिया था। चुनाव जीतने के बाद पिताजी ने शेष 18 हजार रुपए पार्टी को वापस कर दिया था। लेकिन अब बहुत बड़ा परिवर्तन आ गया है। आजकल लाखों रुपए पंड मिलने के बाद भी प्रत्याशी चुनाव लड़ने के लिए चंदा वसूल करते हैं और फिर चुनाव जीतकर 5 साल कमाई के लिए जुट जाते हैं। बताते चलें कि सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने 2019 लोकसभा चुनाव की जो रिपोर्ट दी है। उसके मुताबिक 2019 में कुल 60000 हजार करोड़ रुपए चुनाव में पानी की तरह बहाया गया था। इस लिहाज से देखें तो औसतन हर मतदाता पर 700 रुपए खर्च किए गए। जबकि देश के पहले लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने प्रति मतदाता पर केवल 60 पैसे खर्च किए थे। जो 2004 में बढ़कर 17 रुपए और 2009 में 12 रुपए इसके बाद 2014 में बहुत उछाल आया जो खर्च बढ़कर 46 रुपए हो गया और 2019 में सर्वाधिक 700 रुपए तक पहुंच गया।

# पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विपक्ष का सूपड़ा साफ करेगा एनडीए : त्रिलोक त्यागी

**मेरठ ( हिंस )।** राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय प्रजातांत्रिक गठनबंधन (एनडीए) विपक्ष का सूपड़ा साफ कर देगा। आगरा से सहारनपुर तक और गाजियाबाद से लेकर मुरादाबाद तक सभी सीटों पर एनडीए का परचम लहराएगा। मेरठ कैंट स्थित रालोद के जिला कार्यालय पर मंगलवार को पत्रकार वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत पत्न देने के बाद ही रालोद ने एनडीए में जाने का मन बनाया था। यदि बड़े चौधरी साहब को भारत पत्न नहीं दिया जाता तो हम अगले कदम पर विचार करते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वो काम किया है जो मनमोहन सिंह दस सालों में नहीं कर पाए। बागपत में रालोद की महिला विंग की जिलाध्यक्ष रेनु तोमर के इस्तीफे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब भाजपा के लोग जयंत चौधरी के नाम का नारा लगा सकते हैं तो रालोद के लोग नरेंद्र मोदी के नाम का नारा क्यों नहीं लगा सकते। अब रालोद एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है, यह तय है कि अब सहारनपुर से मेरठ, मुरादाबाद तक कहीं किसी भी सीट पर कोई चुनाव बचा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह ने चौधरी चरण सिंह के अंडर में काम किया। जब वे वित्त मंत्री थे, तब मनमोहन सिंह उनके वित्त सचिव थे। जब मनमोहन सिंह दस साल प्रधानमंत्री रहे तो उन्होंने चौधरी चरण सिंह को भारत पत्न क्यों नहीं दिया? चौधरी अजीत सिंह ने मनमोहन सिंह पर दबाव बनाकर उनसे लखनऊ एयरपोर्ट का नाम चौधरी चरण सिंह कराया। त्रिलोक त्यागी ने कहा कि सारी दुनिया में किसान आंदोलन चल रहे हैं। किसानों को अपनी मांग करने का अधिकार है। पहले हम मांगें कर रहे थे। अब हम सरकार में हैं तो किसानों की मांगों को पूरा कराएंगे। रालोद में बाहरी नेताओं के शामिल होने पर उन्होंने कहा कि रालोद एक परिवार है। कुछ लोग कभी कुछ दिन के लिए बाहर घूम आते हैं, लेकिन फिर वापस अपने घर ही आते हैं। उन्होंने बिजनौर से रालोद उम्मीदवार मीरापुर विधायक चंदन चौहान के बारे में कहा कि वे भी कुछ दिन बाहर घूमकर आए थे। जबकि उनके दादा को प्रदेश का उपमुख्यमंत्री चौधरी चरण सिंह ने बनाया था। चंदन के पिता संजय चौहान को सांसद और विधायक चौधरी अजीत सिंह ने बनाया था। ऐसे में विनय प्रधान के परिवार से रालोद के पुराने संबंध रहे हैं।

# प्रिंट मीडिया में विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए एमसीएमसी की अनुमति अनिवार्य

**खूंटी ( हिंस )।** लोकसभा निर्वाचन 2024 के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष संचालन के लिए जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति का गठन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त की अध्यक्षता में किया गया है। मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति आदर्श आचार संहिता के प्रभावी रहने के दौरान किसी राजनीतिक दल-अभ्यर्थी द्वारा अपने पक्ष में मतदान के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और अन्य मामलों की गतिविधियों के संचालन एवं निगरानी का कार्य करेगी। इसे लेकर मंगलवार को आयोजित बैठक के दौरान उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों की कार्य प्रणाली एवं कार्य दायित्वों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। एमसीएमसी सूचना भवन, जिला जनसंपर्क कार्यालय, खूंटी में कार्यरत है। इस दौरान बताया गया कि निर्वाचन के दौरान चुनाव प्रचार से संबंधित प्रकाशित विज्ञापन की छानबीन तथा वल्क एसएमएस, आवाज संदेशो, टीवी चौनलो, केबल नेटवर्क, रेडियो, निजी एफएम चौनल, सिनेमा हॉल, सार्वजनिक स्थानों पर एवी में प्रदर्शित या सोशल मीडिया, समाचार पत्र एवं किसी अन्य प्रकार के प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रचारित करना पेड न्यूज की श्रेणी में रखा गया है। प्रिंट मीडिया में मतदान दिवस एवं मतदान दिवस से एक दिन पूर्व विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए एमसीएमसी का अनुमति अनिवार्य है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की सामग्री का प्रसारण करने से पूर्व जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पूर्वानुमति आवश्यक होगी। राष्ट्रीय, राजकीयकृत राजनीतिक दल, प्रत्याशी को किसी भी सामग्री के विज्ञापन प्रसारण की तिथि से तीन दिन पूर्व, जबकि अनरजिस्टर्ड राजनीतिक दल या अन्य व्यक्ति को विज्ञापन प्रसारण की तिथि के सात दिन पूर्व जिला स्तरीय मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

# भाजपा में शामिल हुए कई दिग्गज कांग्रेस नेता

**जोधपुर ( हिंस )।** मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में मारवाड़ के कई दिग्गज कांग्रेसी नेताओं ने कांग्रेस छोड़ कमल का दामन थाम लिया। कांग्रेस छो ?कर आए नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आस्था जताई और कहा कि संकल्प के साथ कार्य करेंगे। मारवाड़ की चार लोकसभा सीटों जोधपुर, पाली, जालोर-सिरोही और बाड़मेर-जैसलमेर की भाजपा की क्लस्टर बैठक में मुख्यमंत्री शर्मा और केंद्रीय मंत्री शेखावत की उपस्थिति में मारवाड़ राजपूत सभा जोधपुर के अध्यक्ष व वरिष्ठ कांग्रेस नेता हनुमान सिंह खांगटा, विधानसभा चुनाव में फलोदी से दावेदार रहे कांग्रेस नेता पप्पूराम डारा, सोहनलाल जांगिढ़, सेवानिवृत चीफ इंजीनियर प्रेमसुख शर्मा जांगिड़, राजस्थान जटिया रेगर महासभा अध्यक्ष लालाराम जेलिया, हरसोलाव गोटन के पूर्व सरपंच सुरेश गुर्जर, पूर्व न्यासी आरएलपी प्रत्याशी बिलाड़ा जगदीश कडेला, सरपंच सहीराम मल्लार, सरपंच भागीरथ, मंगलु राम सरपंच, बीरम बेनीवाल, देवासी समाज के सुखदेव देवासी, कांग्रेस बिलाड़ा ब्लॉक उपाध्यक्ष तेजाराम, सुरेश गुर्जर समेत कई नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

# अन्नदाता अब ऊर्जादाता भी बन रहे हैं : प्रो.डी. स्वाईन

## एनएसआई में गन्ना किसानों ने ली उत्पादन की आधुनिकतम तकनीकों एवं उन्नत प्रजाति की जानकारी

**कानपुर ( हिंस )।** राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) कानपुर में गन्ना किसान संस्थान, मुरादाबाद के नेतृत्व में 22 किसानों का एक दल संस्थान के भ्रमण करने पहुंचा। इनका मुख्य उद्देश्य गन्ना उत्पादन की आधुनिकतम तकनीकों एवं आधुनिक उन्नत प्रजाति के गन्ने की जानकारी ली। इस अवसर पर किसान दल का स्वागत करते हुये संस्थान के निदेशक प्रो.डी. स्वाईन ने किसानों के आगमन पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसान तो अन्नदाता हैं। ये अन्नदाता अपने खेतों में गन्ने की फसल उगाकर चीनी मिलों को सप्लाई करते हैं। गन्ने की पेराई के उपरांत बचे अवशेष (खोई) से बिजली का उत्पादन किया जाने लगा है। इस प्रकार अन्नदाता अब

ऊर्जादाता भी हो गए हैं। डॉ. अशोक कुमार, सहायक आचार्य (कृषि रसायन) ने गन्ने की उपजाऊ प्रजातियों के साथ मिट्टी की जांच तथा उसके अनुरूप ऊर्वरकों के प्रयोग संबंधी सारगर्भित जानकारी दी। डॉ. अशोक कुमार ने किसानों को कई उन्नत तकनीकों के बारे में भी बताया जिनका उपयोग कर किसान कम मेहनत और कम समय में ज्यादा कार्य कर सकते हैं। किसानों के दल को संबोधित करते हुये संस्थान के डॉ. लोकेश बाबर, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (कृषि रसायन) ने कम लागत में एवं अपेक्षाकृत कम क्षेत्रफल एवं कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली गन्ने की विभिन्न प्रजातियों से किसानों को अवगत करवाया। डॉ. बाबर ने गन्ना उत्पादन के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं, गन्ने को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न कीटों के उपचार आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। जैव रसायन अनुभाग प्रमुख, प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा ने कहा कि अंधाधुंध रासायनिक ऊर्वरकों का प्रयोग प्रकृति और खेत दोनों के लिए घातक हो सकता है। यह सिंचाई के दौरान पानी में मिलकर जमीन में जा रहा है जिससे भूजल बहुत अधिक दूषित हो रहा है और उससे तमाम बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। अब समय आ गया है कि किसानों को परंपरागत गोबर खाद और बायो कंपोस्ट की और ध्यान देना चाहिये। इसको अपनाने से हम मानव स्वास्थ्य और वातावरण दोनों की रक्षा कर सकते हैं।

# कांग्रेस डूबती नाव, डूबती नाव में कौन बैठेगा : मुख्यमंत्री

**जोधपुर ( हिंस )।** प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस डूबती नाव है और डूबती नाव में कौन बैठेगा। कांग्रेस के नेता जिस तरह से पार्टी में आ रहे है, उसे देखकर लगता है कि इस बार 25-25 सीटें तो आएंगी ही और पूरे देश में इस बार 400 पार सीटें आएंगी। वे जोधपुर में कलस्टर कार्यकारिणी की बैठक के बाद जोधपुर से रवानगी से पहले एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि कांग्रेस के लोग जिस तरह से बीजेपी में आ रहे है उससे लगता है कि इस बार प्रदेश में 25 की 25 सीटें आएंगी ही साथ ही पूरे देश में आंकड़ा 400 पार करेगा। इस बार रिकार्ड मतों से जीत होगी।

# टोरी पार्टी के भीतर बढ़ती अशांति की खबरों पर सुनक ने दी प्रतिक्रिया, कहा- सकारात्मक बदलाव आ रहे

**नई दिल्ली ।**
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कंजर्वेटिव पार्टी (टोरी पार्टी) के भीतर बढ़ती अशांति की खबरों के बीच आशावादी सुधार का दावा किया। उन्होंने छोटे व्यवसायों के लिए सुधारों के एक नए पैकेज की शुरुआत करते हुए जोर देकर कहा कि ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आने लगे हैं। इस दौरान ब्रिटिश भारतीय नेता ने दक्षिणी इंग्लैंड के बंदरगाह शहर साउथेम्प्टन में अपने परिवार द्वारा संचालित फार्मेसी का भी संदर्भ दिया और कहा कि उन्हें छोटे व्यवसाय की चुनौतियों का अनुभव है। अपने विद्रोहियों के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश में, उन्होंने जोर देकर कहा कि कठिन दौर से गुजर रही अर्थव्यवस्था के लिए योजना के साथ काम करना महत्वपूर्ण था।

सुनक ने इंग्लैंड के मिडलैंड्स क्षेत्र में वारविकशायर में एक बिजनेस कनेक्ट कार्यक्रम के दौरान कहा, अर्थव्यवस्था सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 2024, वह वर्ष होगा जब ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में उछाल आएगा। मुद्रास्फीति आधे से कम हो गई है और तेजी से गिर रही है। विकास की राह खुल रहे हैं। ऋण में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि हम अभी वहां नहीं पहुंचे हैं, जहां हमें होना चाहिए लेकिन हम बिल्कुल सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, आइए सरकार की ओर से चलाई जा रही योजना पर टिके रहें और एक साथ बेहतर, उज्जवल भविष्य का निर्माण करें।

नए पैकेज के तहत, ब्रिटिश सरकार 1 अप्रैल से छोटे व्यवसायों में प्रशिक्षण के लिए पूरी निधि देगी। 21 वर्ष की आयु तक किसी के लिए प्रशिक्षण की पूरी लागत का भुगतान करके सरकार व्यवसायों की लागत कम करेगी और युवाओं को करियर शुरू करने के अधिक अवसर प्रदान करेगी। सरकार अपने इस कदम पर एक साल में अतिरिक्त 60 मिलियन पाउंड खर्च करेगी। लालफीताशाही में भी कटौती की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा मेरी मां की फार्मेसी में काम करने के अनुभव से मुझे पता है कि छोटे व्यवसाय कितने महत्वपूर्ण हैं। न केवल अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि नवाचार और आकांक्षा के लिए एक चालक के रूप में भी ये महत्वपूर्ण हैं।

ब्रिटेन की व्यापार व वाणिज्य मंत्री केमी बेडनॉक ने कहा, चाहे लालफीताशाही में कटौती हो, निवेश का ताला खोलना हो या कारोबारी लागत कम करना हो, आज की घोषणाओं से पता चलता है कि यह सरकार एसएमई को टर्बो चार्ज करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वे पहले से कहीं अधिक तेजी से आगे बढ़ सकें।

## न्यूज ब्रीफ

### क्या स्पाइसजेट के सीएमडी को मिलेगी दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट बोली बढ़ाने के बाद जगी उम्मीद

**मुंबई ।** पिछले दिनों भारत की दिवालिया एयरलाइन गो फर्स्ट के रिवाइवल के लिए दो बोलियां मिली थीं। लेकिन, ये बिड लेंडर्स यानी गो फर्स्ट को कर्ज देने वाले बैंकों की उम्मीदों के मुताबिक नहीं थी। अब लेंडर्स के अनुरोध के बाद दो में से एक बिडर ने अपनी बोली की रकम बढ़ा दी है। बिडर ने कितनी बढ़ाई बोली की रकम किफायती उड़ान सेवा देने वाली स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने बिजी बी एयरवेज ने मिलकर गो फर्स्ट के लिए बोली लगाई है। इन्होंने पहले गो फर्स्ट के लिए करीब 16 अरब रुपये की बिड जमा की थी। लेकिन, बैंकों की गुजारिश के बाद दोनों कंपनियों ने अपनी बोली को 1 से डेढ़ अरब रुपये के बीच बढ़ा दिया है। कब दिवालिया हुई थी गो फर्स्ट गो फर्स्ट ने पिछले साल मई में दिवालिया होने की अर्जी लगाई थी। इसकी दिवालिया प्रक्रिया के तहत दो वित्तीय बोलियां मिली हैं। दूसरी बोली शारजाह स्थित स्काई वन एयरवेज थी। लेकिन, दोनों ही बिड कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स की उम्मीदों से काफी कम थीं। इसमें भारी कटौती भी शामिल थी। यह वजह है कि बैंकों ने दोनों बिडर्स से कहा कि वे अपनी बोलियों को बढ़ाएं। गो फर्स्ट ने अपनी बैंकरप्सी फाइलिंग में बताया कि उसके लेनदारों की लिस्ट में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक शामिल हैं। इन सबका गो फर्स्ट पर 65 अरब रुपये से अधिक बकाया है। लेनदार बैंक रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के जरिए स्काई वन के साथ बात कर रहे हैं कि वह भी अपनी बिड बढ़ाए। हालांकि, अभी तक उसकी ओर से कोई रिस्पॉन्स नहीं आया है। अगले हफ्ते होगी लेनदारों की मीटिंग अगले हफ्ते की शुरुआत में लेनदारों की मीटिंग होने वाली है। अगर स्काई वन से बिड बढ़ाने के बारे में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिलती है, तो लेनदार स्पाइसजेट और बिजी बी की ज्वाइंट बिड पर ही चर्चा करेंगे। लेनदार बैंक इस महीने के आखिर तक बिडर्स को अपने फैसले के बारे में बता सकते हैं।

### भारत की ऑटो इंडस्ट्री अगले 5 साल में विश्व में शीर्ष स्तर पर होगी: गडकरी

**नई दिल्ली ।** केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक साक्षात्कार में कहा कि

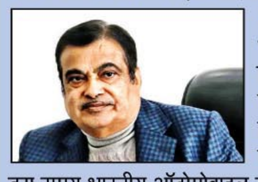

अगले पांच साल में भारत की ऑटो इंडस्ट्री दुनिया के शीर्ष स्तर पर होगी। नितिन गडकरी ने कहा कि इस समय भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का आकार 12.5 लाख करोड़ रुपये है। उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ रोजगार दिए हैं और यह केंद्र और राज्य सरकारों को अधिकतम जीएसटी का भुगतान करता है। उन्होंने कहा कि जब मैं मंत्री बना तो भारत की ऑटो इंडस्ट्री दुनिया में 7वें स्थान पर थी। मैंने नई तकनीक वाली कंपनियों को प्रोत्साहित किया। अब भारत की ऑटो इंडस्ट्री जापान को पछाड़कर तीसरे नंबर पर आ गई है। महाराष्ट्र में इस समय ट्रिपल इंजन की सरकार है। उन्होंने कहा कि हम अपने काम के दम पर लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि चुनाव लड़ने के लिए धन की जरूरत होती है और हर पार्टी को इसकी जरूरत होती है। वास्तव में इस योजना के पीछे मूल विचार यह था कि पार्टियों को बॉन्ड के माध्यम से पैसा मिलेगा और अगर आप इसे नंबर एक बनाना चाहते हैं तो इससे अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, इसमें गलत क्या था उन्होंने चुनावी बांड के मुद्दे से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने चुनावी बॉन्ड योजना पर रोक लगने की स्थिति में एक और खामी बताई। उन्होंने कहा कि अगर चुनावी बॉन्ड पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है, तब भी पैसा आना जारी रहेगा, केवल काले धन के रूप में।

### म्यूचुअल फंडों ने बेचा 26प्रतिशत हिस्सा, आरबीआई की सख्ती के बाद कंपनी के शेयर 50 फीसदी टूटे

**नई दिल्ली ।** पेटीएम पेमेंट्स बैंक के खिलाफ आरबीआई की कार्रवाई के बाद से म्यूचुअल फंडों ने इसकी मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस में 26 फीसदी हिस्सा बेच दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी में म्यूचुअल फंडों के पास पेटीएम के 4.45 करोड़ शेयर थे। फरवरी अंत में ये 26 फीसदी घटकर 3.28 करोड़ रह गए। कुल हिस्सेदारी का मूल्य मौजूदा भाव पर 1,212 करोड़ रुपये है। पेटीएम के शेयर का भाव आरबीआई की सख्ती की वजह से फरवरी में गिरकर लगभग आधा रह गया। हालांकि, कंपनी का शेयर 5 फीसदी बढ़कर 389.40 रुपये के भाव पर बंद हुआ। जी एंटरटेनमेंट में भी घटाई हिस्सेदारी म्यूचुअल फंडों ने जी एंटरटेनमेंट में भी अपना निवेश घटाया है।

# भारतीय स्टार्टअप इस साल जुटा सकते हैं एक लाख करोड़ रुपये, विदेशी कंपनियों का बढ़ रहा भरोसा

**नई दिल्ली ।**
भारत का स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र दुनिया में सबसे जीवंत है। भारतीय स्टार्टअप इस साल करीब एक लाख करोड़ रुपये की पूंजी जुटा सकते हैं। स्टार्टअप महाकुंभ में उद्यम पूंजी फर्म पीक एक्सवी के प्रबंध निदेशक राजन आनंदन ने कहा, करीब 20 अरब डॉलर की निजी पूंजी बिना निवेश के पड़ी है और वह भारत में निजी फर्मों एवं स्टार्टअप में निवेश के लिए प्रतिबद्ध हैं। उम्मीद है कि भारतीय स्टार्टअप इस साल 8-12 अरब डॉलर (66,316 से 99,493 करोड़ रुपये) जुटा सकते हैं।

आनंदन ने कहा, 2021 से पहले स्टार्टअप में निवेश राशि 8-10 अरब डॉलर थी। 2021 और 2022 में यह संयुक्त रूप से बढ़कर 60 अरब डॉलर पहुंच गई। पिछले साल निवेश राशि सात अरब डॉलर थी, जिसे लोगों ने कम कहा। यह शून्य भी हो सकती थी, क्योंकि छह साल की फंडिंग दो साल में मिल गई थी। इस साल हम 8-12 अरब डॉलर के निवेश की राह पर हैं।

### कॉरपोरेट गवर्नेंस व मूल्यांकन पर दें जोर : कांत

नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा, स्टार्टअप इनोवेशन व विकास जारी रखने के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस और सही मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करें। कांत ने देश में स्टार्टअप की चिंता पर कहा, लंबे समय के टिकाऊ और समृद्ध बनने के लिए ऐसी कंपनियों को कड़े कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा, मैंने स्टार्टअप को बढ़ते हुए देखा है। उनमें से कई को ढहते हुए भी देखा है। इसलिए, कॉरपोरेट गवर्नेंस बहुत महत्वपूर्ण है। इसकी जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। देश के स्टार्टअप तंत्र में स्व-नियमन की जरूरत है।

### सरकारी अनुबंध पाने को मिलेंगे अतिरिक्त अवसर

कांत ने इजराइल का उदाहरण देकर कहा, वहां नवाचार के कारण सरकार खुद स्टार्टअप से उत्पाद खरीदती है। ऐसा नवाचार हो तो भारत में भी स्टार्टअप के लिए सरकारी अनुबंध पाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के अतिरिक्त अवसर पैदा होंगे। अगर सरकार पहली खरीद करने में सक्षम हैं तो यह कई स्टार्टअप में बड़ी वृद्धि को चलाने के लिए सबसे बड़ा उत्प्रेरक होगा।

### सात-आठ साल में 100 स्टार्टअप होंगे सूचीबद्ध

भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हर साल 10 अरब डॉलर या लगभग 80,000 करोड़ रुपये का वित्तपोषण पर्याप्त है। आज भारत में करीब 20 स्टार्टअप हैं, जो शेयर बाजार में सूचीबद्ध हैं। अगले 7-8 वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 100 तक पहुंचने की उम्मीद है।

### प्रौद्योगिकी स्टार्टअप नीतिचर्चा के अंतिम चरण में

सघन प्रौद्योगिकी स्टार्टअप के लिए नीति अंतर-मंत्रालयी चर्चा के अंतिम चरण में है। इसे जल्द ही लागू किया जाएगा। उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा, हम एक बड़ा कोष बनाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

### 2025 में एसयूवी ईपिक पेश करेगी स्कोडा

**नई दिल्ली ।** कार निर्माता स्कोडा इलेक्ट्रिक एसयूवी ईपिक अगले साल 2025 में लॉन्च करेगी। यूरोपीय बाजार में इसकी कीमतें लगभग 25,000 यूरो (लगभग 23 लाख रुपये) के करीब होंगी। यह एसयूवी लगभग 4.1 मीटर लंबी है और स्कोडा कुशाक से कुछ छोटी है। छोटा बनाती है। इस एसयूवी को लेकर कंपनी का कहना है कि इसमें स्मार्ट कार्यक्षमता और व्यावहारिकता एक साथ शामिल है। सामने की तरफ नया टेक-डेक फेस है। ग्रिल के किनारे नए टी-आकार के एलईडी डीआरएल हैं और नीचे मैट्रिक्स एलईडी तकनीक वाली हेडलाइट्स हैं। बम्पर में बड़े पैमाने पर वर्टिकल स्लैट हैं, जो इसे जीप एसयूवी की तरह लुक देते हैं। इसमें पीछे की ओर फ्लेयर्ड व्हील आर्च और टी-आकार की एलईडी टेललाइट्स जोड़े गए हैं। इस कॉन्सेप्ट का केबिन डुअल-टोन थीम के साथ आता है। मॉडल में टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील, 5.3-इंच वर्चुअल कॉकपिट और 13-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम के अलावा वायरलेस चार्जिंग और सहित कई सुविधाएं हैं।

# लक्ष्य के पार पहुंच सकता है शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह, कॉरपोरेट लाभ में वृद्धि का दिखेगा असर

**नई दिल्ली ।**
**शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में 19.45 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य के पार पहुंच सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अग्रिम कर भुगतान से शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह को बढ़ावा मिला है। एक अप्रैल, 2023 से 15 मार्च, 2024 तक कुल 18.95 लाख करोड़ का कर संग्रह हुआ है। यह एक साल पहले की समान अवधि से 14.05 फीसदी अधिक है। सरकार को चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 9.10 लाख करोड़ का अग्रिम कर मिला है।**

### कॉरपोरेट ने 6.72 लाख करोड़ दिया टैक्स

कॉरपोरेट ने अब तक 6.72 लाख करोड़ और व्यक्तिगत करदाताओं ने 2.37 लाख करोड़ रुपये का कर भुगतान किया है। इसकी अंतिम तारीख 15 मार्च थी। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि 31 मार्च को जो आंकड़े आएंगे, उनमें शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 20 लाख करोड़ के करीब पहुंच सकता है। जानकारों के मुताबिक, अग्रिम कर संग्रह में वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि कॉरपोरेट लाभ और व्यक्तिगत आय बढ़ रही है।

### सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 22.2 लाख करोड़ रुपये

रिफंड से पहले सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 15 मार्च तक 22.25 लाख करोड़ रुपये था। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13.5 फीसदी अधिक है। सकल कॉरपोरेट कर संग्रह 10.97 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 9.26 फीसदी अधिक है। सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स सहित व्यक्तिगत आयकर 13.4 फीसदी बढ़कर 10.80 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सरकार ने 15 मार्च तक 3.33 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रिफंड जारी किया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3.03 लाख करोड़ रुपये से 10 फीसदी अधिक है।

# सोने और चांदी की कीमतों में उछाल, सोना 65,700, चांदी लगभग 75,600 रुपए

**नई दिल्ली ।**
**सोने व चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोना 65,700 रुपये और चांदी 75,600 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। लेकिन बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 1 रुपये की तेजी के साथ 65,609 रुपये के भाव पर खुलकर 57 रुपये की तेजी के साथ 65,665 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।**

वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 79 रुपये की तेजी के साथ 75,575 रुपये के भाव पर खुलकर 90 रुपये की तेजी के साथ 75,586 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत हल्की गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में इनके भाव में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,164 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,164.30 डॉलर था। फिलहाल यह 0.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,164.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.25 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.26 डॉलर था। फिलहाल यह 0.07 डॉलर की तेजी के साथ 25.33 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

# अब हमारे पास जेनरेटिव एआई युग के लिए एक चिप है एनवीडिया सीईओ

**नई दिल्ली ।**
बिग टेक कंपनियों का लक्ष्य आजकल जेनेरिक एआई दौड़ का नेतृत्व करना है। ऐसे में एनवीडिया के संस्थापक और सीईओ जेन्सेन हुआंग ने कहा कि उन्होंने जेनएआई युग के लिए एक प्रोसेसर बनाया है। अमेरिका में आयोजित जीटीसी सम्मेलन में कंपनी के नए ब्लैकवेल कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म को पेश करते हुए हुआंग ने कहा कि बढ़ी हुई कंप्यूटिंग शक्ति सॉफ्टवेयर से लेकर सेवाओं, रोबोटिक्स से लेकर चिकित्सा प्रौद्योगिकी के साथ काफी कुछ दे सकती है। हुआंग ने अपने मुख्य भाषण के दौरान 11,000 से अधिक उपस्थित लोगों को बताया, एक्सेलरेटेड कंप्यूटिंग अपने चरम बिंदु पर पहुंच गई है, जनरल पर्पस कंप्यूटिंग अब समाप्त हो गई है। दुनिया के एआई बुनियादी ढांचे पर बड़े पैमाने पर जानकारी देते हुए हुआंग ने ट्रिलियन पैरामीटर लार्ज लैंगुएज मॉडल को रियल टाइम में जेनरेटर एआई में लाने के लिए एनवीडिया ब्लैकवेल प्लेटफॉर्म पेश किया। हुआंग ने एनवीडिया एनआईएम को भी पेश किया जो पैकेजिंग और सॉफ्टवेयर वितरित करने का एक नया तरीका है। यह डेवलपर्स को सभी प्रकार के कस्टम एआई को तैनात करने के लिए लाखों जीपीयू के साथ जोड़ता है। कंपनी ने उन्नत सिमुलेशन क्षमताएं प्रदान करने के लिए ओम्निवर्स क्लाउड एपीआई भी पेश किया। हुआंग ने कहा, हम इसे मल्टीमॉडैलिटी डेटा के साथ प्रशिक्षित करने जा रहे हैं, न केवल इंटरनेट पर टेक्स्ट, बल्कि हम इसे टेक्स्ट और इमेज ग्राफ और चार्ट पर प्रशिक्षित करने जा रहे हैं। हुआंग ने साफ तौर पर कहा कि हमें बड़े जीपीयू की आवश्यकता है। हुआंग ने कहा, भविष्य में डेटा केंद्रों को

एआई फैक्ट्री के रूप में देखा जाएगा। इसका लक्ष्य इस मामले में राजस्व उत्पन्न करना है। एनवीआईडीआईए पहले से ही जीन अनुक्रमण उपकरणों में इमेजिंग सिस्टम में है और अग्रणी सर्जिकल रोबोटिक्स कंपनियों के साथ काम कर रही है। इस पर हुआंग ने कहा कि एआई का सबसे बड़ा प्रभाव स्वास्थ्य सेवा में होगा।

# टाटा संस ब्लॉक डील के तहत बेच सकता है हिस्सेदारी, इस खबर ने टीसीएस के शेयर पर डाला असर

**नई दिल्ली ।**
**टाटा की सहायक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के स्टॉक में गिरावट देखने को मिला है। बीते दिन कंपीन ने ऐलान किया था कि उनकी प्रमोटर कंपनी टाटा संस आईटी सर्विस की लगभग 2.3 करोड़ शेयर या 0.65 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी ब्लॉक डील के माध्यम से बेचेगी। इस ऐलान का असर कंपनी के शेयर पर देखने को मिला है। एनएसई पर टीसीएस के शेयर 3.30 फीसदी गिरकर 4,015.65 रुपये के निचले स्तर पर आ गए। बीएसई पर, स्टॉक 3.15 प्रतिशत गिरकर 4,014 रुपये प्रति पीस पर आ गया।**

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार टीसीएस के शेयर मूल्य में गिरावट मुख्य रूप से टाटा संस की हिस्सेदारी बिक्री के कारण है। टीसीएस के शेयर में आई गिरावट के बाद बीएसई पर कंपनी का एम-कैप 45,497.45 करोड़ रुपये घटकर 14,54,109.37 करोड़ रुपये हो गया।

### शेयर में क्यों आई गिरावट

टाटा संस ने ब्लॉक डील शुरू कर दी है। इस डील का लक्ष्य टीसीएस के 2.34 करोड़ शेयरों को 4,001 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेचना है। शेयर का न्यूनतम मूल्य पिछले दिन के समापन मूल्य से 3.65 प्रतिशत की छूट दर्शाता है।

ब्लॉक डील की कीमत लगभग 9,000 करोड़ रुपये आंकी गई है। अभी तक खरीदार और विक्रेता की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इनकी पुष्टि शाम को सार्वजनिक की जाएगी जब स्टॉक एक्सचेंज डेटा जारी करेंगे।

पिछले साल दिसंबर 2023 तक प्रमोटरों और प्रमोटर ग्रुप के पास टीसीएस में 72.41 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसमें से 72.38 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा संस के पास है।

बीते दिन कारोबारी सत्र में टीसीएस के शेयर लगभग 2 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। प्रमोटर टाटा संस आईटी प्रमुख में अपनी बड़ी हिस्सेदारी बेच सकते हैं।

मार्च में स्पार्क कैपिटल की एक रिपोर्ट के अनुसार टाटा ग्रुप के शेयर सुर्खियों में रहे हैं। इसमें उल्लेख किया गया था कि टाटा संस भारतीय रिजर्व बैंक के पैमाने-आधारित नियमों को पूरा करने के लिए सितंबर 2025 तक सार्वजनिक हो सकता है।

आरबीआई का आदेश है कि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को तीन साल के भीतर स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होना आवश्यक है। टाटा संस को 15 ऊपरी स्तर की एनबीएफसी में नामित किया गया है, जिसका कुल बाजार मूल्यांकन 31.6 लाख करोड़ रुपये है, टाटा संस सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध 29 टाटा समूह संस्थाओं का मालिक है।

### एमजी मोटर एक्सेलर ईवी नाम से पेश कर सकती है एक और इलेक्ट्रिक कार

**नई दिल्ली ।** भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ाने अब एमजी मोटर इंडिया देश में अपनी एक और इलेक्ट्रिक (कार) पेश करने जा रही है। इसी को देखते हुए कंपनी ने एक्सेलर ईवी नाम से एक ट्रेडमार्क करवाया है। इस नाम का उपयोग इस कार के लिए किया जाएगा। एमजी की योजना इस साल दो मॉडल पेश करने की है, जिनमें से एक ईवी जबकि दूसरा फेसलिफ्ट ग्लॉस्टर है। कंपनी इसी माह 20 मार्च को अपनी भविष्य की योजनाओं की भी घोषणा करेगी। एमजी ने पिछले साल 2023 ऑटो एक्सपो में अपनी वैश्विक लाइन-अप से कई मॉडल दिखाये थे। कंपनी ने इससे पहले ईएमजी6 हाइब्रिड सेडान, ईएचएस एसयूवी, ईआरएक्स5 एसयूवी और मार्वल आर जैसे मॉडल्स पेश किये थे। इनमें से कंपनी एक को भारत में एक्सेलर ईवी के रूप में एक बार पेश कर सकती है।

# ओह गुरु, हो जा शुरू, कमेंट्री करने लौटा शेर और शायरी का बादशाह नवजोत सिंह सिद्धू, आईपीएल का मजा होगा दोगुना

**नई दिल्ली।**
भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू आईपीएल 2024 में अपनी आवाज का जादू बिखेरते हुए नजर आएंगे। 22 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2024 के लिए सिद्धू का नाम कमेंट्री पेनलिस्ट में शामिल है।

बता दें कि आगामी आईपीएल का उद्घाटन मुकाबला गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। आईपीएल के प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया के जरिये नवजोत सिंह सिद्धू के कमेंट्री पैनल में जुड़ने की पुष्टि की।

एक बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा, उम्मीद सबसे बड़ी तोप है। और यह बुद्धिमान महान नवजोत सिंह सिद्धू खुद, हमारे शानदार स्टारकास्ट से जुड़ेंगे। उनकी गजब कमेंट्री और शानदार एक लाइनर आप मिस न करें।

बता दें कि कमेंट्री से दूर रहने के समय सिद्धू विवादों में फंसे थे जब 2019 में उन्हें द कपिल शर्मा शो से बाहर किया गया था। वैसे, 60 साल के नवजोत सिंह सिद्धू ने 2001 में अपनी कमेंट्री के जरिये जलवा बिखेरा था।

उनके शेर और शायरी व वन-लाइनर लोगों को बहुत रास आए। क्रिकेट की बारीकी को मजेदार अंदाज में पेश करने की कला सिद्धू में रही, जिसके कारण उनकी फैन फॉलोइंग गजब की रही।

नवजोत सिंह सिद्धू अपने खेलने वाले दिनों में बेहद शांत स्वभाव के क्रिकेटर माने जाते थे, लेकिन कमेंट्री में आने के बाद उनका अलग अवतार लोगों ने देखा। सिद्धू की क्रिकेट की समझ और उसे पेश करने का अंदाज लोगों को एकदम अलग हटकर लगा। यही वजह रही कि नवजोत सिंह सिद्धू भारतीय शीर्ष कमेंटेटरों में से एक माने जाने लगे।

पता हो कि नवजोत सिंह सिद्धू का अंतरराष्ट्रीय करियर 15 साल का रहा। उन्होंने 1983 से 1998 तक भारतीय टीम को अपनी सेवाएं दी। इस दौरान सिद्धू ने 51 टेस्ट और 136 वनडे खेले। उन्होंने टेस्ट में 3203 और वनडे में 4413 रन बनाए। दाएं हाथ के बैटर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 15 शतक और 48 अर्धशतक भी जड़े।

## न्यूज ब्रीफ

### भारतीय ओलंपिक संघ ने लिया बड़ा निर्णय, डब्ल्यूएफआई की तदर्थ समिति को किया भंग

**नई दिल्ली।** भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा निर्णय लेते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का दैनिक कार्य संभाल रही तदर्थ समिति को भंग करने का फैसला किया है। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने कुछ दिनों पहले खेल संहिता के नियमों का उल्लंघन करने का हवाला देकर डब्ल्यूएफआई की नई कार्यकारी समिति को निलंबित किया था जिसके बाद आईओए ने डब्लयूएफआई के संचालन के लिए तदर्थ समिति का गठन किया था। यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के निर्देश पर डब्ल्यूएफआई को इस खेल का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण मिला है। आईओए का कहना है कि तदर्थ समिति ने डब्ल्यूएफआई के सहयोग से अगले महीने के ओलंपिक क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिए चयन ट्रायल का सफल आयोजन किया था। तदर्थ समिति के नेतृत्व में पुरुष और महिला वर्ग के कुश्ती ट्रायल हाल ही में संपन्न हुए थे। पुरुषों में जहां बजरंग को हार का सामना करना पड़ा था, वहीं महिला वर्ग में ड्रामा के बाद विनेश फोगाट 50 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज करने में सफल रही थीं। ट्रायल के खत्म होने के बाद कुश्ती महासंघ की बागडोर डब्ल्यूएफआई को सौंपी गई है। आईओए ने 10 मार्च को जारी अपने आदेश में कहा, दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर तदर्थ समिति को भंग करने का फैसला डूब्ल्यूडब्ल्यू द्वारा डब्ल्यूएफआई पर लगे प्रतिबंध को हटाने के लिए लिया गया। आईओए ने दिया सुरक्षा समिति बनाने का निर्देश आईओए ने यौन उत्पीड़न और नियमों के पालन जैसे मुद्दों की चिंताओं को दूर करने के लिए डब्ल्यूएआई को एक सुरक्षा समिति बनाने का निर्देश दिया है। आईओए के फैसले से खुश हुए संजय सिंह डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह इस फैसले से काफी खुश हैं और उन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ को धन्यवाद दिया। संजय का कहना है कि चुनाव में जीत दर्ज करने वाली समिति को राष्टीय महासंघ के संचालन का जिम्मा देने के लिए आईओए बधाई का पात्र है। हम आईओए को हमें डब्ल्यूएफआई का पूर्ण प्रशासनिक नियंत्रण देने पर धन्यवाद देते हैं। हम पहलवानों को सभी तरह की सुविधाएं देंगे। हम जल्द ही राष्ट्रीय शिविर आयोजित करेंगे और अगर पहलवान विदेश में ट्रेनिंग करना चाहते हैं तो इसकी सुविधा भी मुहैया कराएंगे।

### अमेरिका में दोस्ताना मुकाबलों से पहले अर्जेंटीना को लगा बड़ा झटका, मेसी चोटिल होकर हुए बाहर

**नई दिल्ली।** लियोनेल मेसी आधिकारिक तौर पर संयुक्त राज्य अमेरिका में अल सल्वाडोर और कोस्टा रिका के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैचों से बाहर हो गए हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने मेसी की हैमस्ट्रिंग चोट के संबंध में एक बयान जारी किया है जिसने उन्हें आगामी दो प्रतियोगिताओं से बाहर कर दिया है। आठ बार के बैलन डीओर विजेता मेसी अल सल्वाडोर के खिलाफ फिलेडेल्फिया में और उसके बाद 26 मार्च को लॉस एंजिल्स में कोस्टा रिका के खिलाफ मुकाबले को मिस करेंगे। उनके क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना दोनों उनके साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। दोनों मैच जून-जुलाई में कोपा अमेरिका के लिए अर्जेंटीना की तैयारियों को लेकर वार्मअप मैच हैं। कोपा अमेरिका भी इस साल अमेरिका में ही खेला जाएगा। मेसी पिछले डीसी यूनाइटेड के खिलाफ मियामी के हालिया एमएलएस मैच से भी चूक गए थे। अर्जेंटीना महासंघ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अर्जेन्टीना के कप्तान लियोनेल मेस्सी अमेरिका में दोस्ताना मैचों के लिए टीम में नहीं होंगे क्योंकि उनके दाहिने पैर की मांसपेशियों में मामूली चोट लगी है। अर्जेंटीना के कप्तान अभी भी एक पुरानी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं, जिसे उन्होंने पिछले हफ्ते नैशविले के खिलाफ कॉनकाकैफ चैंपियंस कप मैच के दौरान लगी थी। उस मैच में इंटर मियामी 3-1 से विजयी हुआ और मेसी ने एक गोल किया था। उन्हें नैशविले पर जीत में आधे समय के बाद सब्स्टिट्यूट किया गया था और वॉशिंगटन में डीसी यूनाइटेड पर मियामी की जीत से चूक गए। उनकी अनुपस्थिति में बार्सिलोना के पूर्व स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने दो गोल दागकर मियामी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी खुद पर ली थी। मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने वॉशिंगटन पर अपनी टीम की जीत के बाद संकेत दिए थे कि मेसी मार्च में होने वाले अंतरराष्टीय मैचों में नहीं खेल पाएंगे और टीम यह सुनिश्चित करना चाहती है कि वह अगले महीने होने वाले कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप क्वार्टर फाइनल के लिए फिट हो जाएं। मार्टिनो ने कहा था, यह साफ है कि उन्हें कॉनकाकैफ चैम्पियंस कप के क्वार्टर फाइनल में खेलना है और वह भी इसी का लक्ष्य रख रहे हैं।

# वह शीर्ष जेवलिन थ्रोअर हैं..., पाक के नदीम का भाला टूटा तो नीरज ने नए को लेकर दी यह सलाह

**नई दिल्ली।**
भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम भालाफेंक की दुनिया के स्टार एथलीट हैं। हालांकि, किसी किसी इवेंट में दोनों की दोस्ती भी देखने को मिल जाती है। मौका मिलने पर नीरज नदीम की मदद करने से कभी नहीं थकते हैं। चाहे वह टोक्यो ओलंपिक हो या फिर विश्व चैंपियनशिप नीरज को नदीम से हाथ मिलाते और गले मिलते देखा गया था। दोनों ही टूर्नामेंट के इतर अपनी खुशमिजाजी और सौहार्द के लिए जाने जाते हैं। दोनों मैदान में भयंकर प्रतियोगी हो सकते हैं, लेकिन एक-दूसरे के लिए अपने मन में सम्मान रखते हैं।

अरशद नदीम और नीरज चोपड़ा दोनों आगामी सीजन के लिए तैयारी कर रहे हैं। चोपड़ा इस समय तुर्किये में ट्रेनिंग कर रहे हैं, जबकि 27 वर्षीय नदीम की तैयारियों में रोड़ा अटक गया है। पाकिस्तानी खिलाड़ी ने हाल ही में कहा था कि वह कई वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर का भाला लेने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पिछले सात से आठ साल से पुराने का ही इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, नीरज यह सुनकर हैरान हैं।

पिछले साल बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम को पीछे छोड़ स्वर्ण जीतने वाले नीरज ने हाल ही में साई मीडिया के साथ एक विशेष बातचीत में कहा, यह विश्वास करना कठिन है कि वह एक नया भाला हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उनकी साख को देखते हुए, यह एक बड़ा मुद्दा नहीं होना चाहिए। बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में नीरज के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाले अरशद नदीम ने हाल ही में मीडिया से कहा था, मेरा भाला टूट गया है और मैंने राष्ट्रीय महासंघ और मेरे कोच से पेरिस ओलंपिक से पहले इसके बारे में कुछ करने के लिए कहा है।

नदीम ने कहा, जब मैंने 2015 में शुरुआत की थी, तभी मुझे अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेने के लिए मुझे यह भाला मिला था। ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का लक्ष्य रखने वाले एक

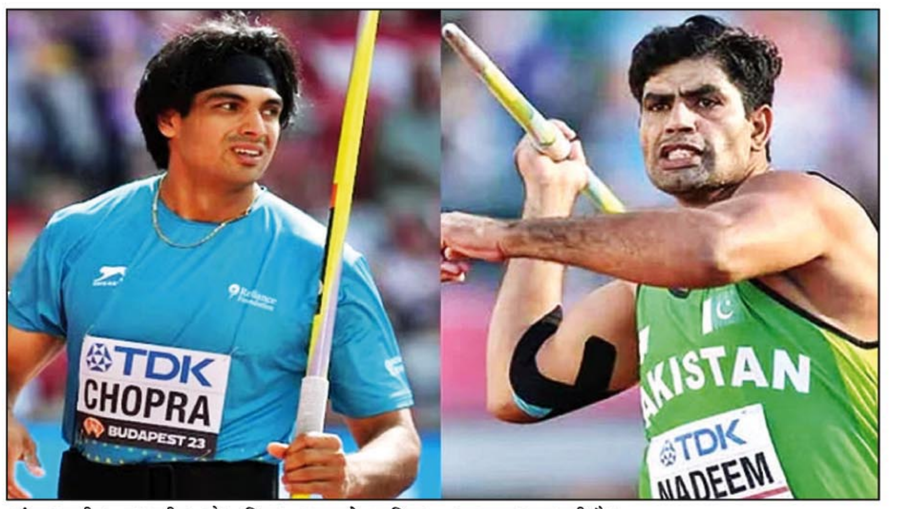


अंतरराष्ट्रीय एथलीट के लिए आपको उचित उपकरण और प्रशिक्षण सुविधाओं को मुहैया कराने की आवश्यकता होती है। नीरज के पूरे प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय दौरों का खर्च भारतीय खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम द्वारा दिया जाता है। उन्हें लगता है कि नदीम पाकिस्तान का गौरव हैं और उनका समर्थन किया जाना चाहिए।

90.18 मीटर थ्रो के साथ अरशद नदीम ने बर्मिंघम में 2022 राष्द्रमंडल खेलों में शीर्ष स्थान हासिल किया था। साथ ही एक नया भाला फेंक रिकॉर्ड बनाया था। इसके साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के पाकिस्तान का 60 साल का इंतजार खत्म हुआ।

उन्होंने कहा, ऐसा नहीं हो सकता कि उनके (अरशद) पास भाला खरीदने का साधन नहीं है। वह एक चैंपियन हैं और कुछ ब्रांड एंडोर्समेंट तो कर रहे होंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने अगर थोड़ा पैसा भी कमाया है तो उसे इस्तेमाल करें। हां, लेकिन उनकी सरकार अरशद की जरूरतों को देख सकती है और उनका समर्थन कर सकती है जैसे मेरी सरकार कर रही है।

नीरज ने कहा, इसके अलावा अरशद एक शीर्ष भाला फेंकने वाला खिलाड़ी है और मुझे विश्वास है कि भाला निर्माता उन्हें स्पॉन्सरकरने और उन्हें भाला देने से अधिक खुश होंगे, जो भी वह चाहते हैं। यह मेरी तरफ से सलाह है बस। अगर सब कुछ ठीक रहा तो आगामी पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक में एशिया के एथलीट्स उपलब्धि हासिल करते हुए दिख सकते हैं। नीरज के अलाव भारत की ओर से किशोर जेना अगुआई करते दिखेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में पांचवें स्थान पर रहे नदीम पेरिस में 90 मीटर से अधिक की थ्रो को दोहराने की कोशिश में होंगे और आमतौर पर यूरोपीय लोगों के वर्चस्व वाले इस खेल में गंभीर खतरा पैदा करेंगे। दिसंबर 2022 में नदीम का यूके में कोहनी का ऑपरेशन हुआ था। पिछले साल नदीम ने घुटने का ऑपरेशन कराया था और हांगझोऊ एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया था, जिसमें नीरज ने स्वर्ण पदक जीता था। आउटडोर भाला फेंक का सत्र मई में डायमंड लीग के दोहा चरण से शुरू होगा।

# कोहली की जबरा फैंन ने रचा दिया इतिहास चर्चा में श्रेयांका

**नई दिल्ली।**
रॉयल चैंलेजर्स बेंगलोर (आरसीबी) पर आखिर भाग्य मुस्कुराया और टीम चैंपियन बन गई। डब्ल्यूपीएल के फाइनल में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टीम की एलिस पैरी जहां सर्वाधिक 331 रन बनाकर ऑरेंज कैप होल्डर बनीं, जबकि 21 साल की श्रेयांका पाटिल ने पर्पल कैप (8 मैच में 13 विकेट, औसत 12.08) के साथ एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी बनकर अपने रुतबे को बढ़ाया। फाइनल में श्रेयांका ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर चार विकेट लिए जिसमें विपक्षी कप्तान और टूर्नामेंट की नंबर 2 टॉप स्कोरर मेग लेनिंग का विकेट शामिल था। सिलिकॉन वैली की श्रेयांका को इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किए तीन माह ही हुए हैं, लेकिन अपने दमदार प्रदर्शन से उन्होंने 'लंबी पारी' खेलने का संकेत दिया है। दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर और बैटर ने दो वनडे इंटरनेशनल में चार और छह टी20आई में आठ विकेट हासिल किए हैं। महज 10 लाख रुपये में आरसीबी से जुड़ीं श्रेयांका ने पहले सेशन में ही छह विकेट और अच्छे स्ट्राइक रेट से 62 रन बनाकर चमक दिखा दी थी। अपने दूसरे डब्ल्यूपीएल में आरसीबी को चैंपियन बनाने में अहम योगदान देने वाली श्रेयांका की नेटवर्थ करीब 35 लाख रुपये आंकी गई है। विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग में भाग लेने वाली श्रेयांका भारत की पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। उन्होंने ऐसी पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचा है। जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट में एंट्री से पहले ही किसी विदेशी लीग में करार की पेशकश की गई। 2023 के विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग सीजन में श्रेयांका ने गुयाना अमेजन वारियर्स की ओर से खेलकर 5 मैच में 9 विकेट लिए थे और वे टूर्नामेंट की सबसे अधिक विकेट लेने वाली बॉलर थीं। 31 जुलाई 2002 को जन्मी श्रेयांका की वैसे बचपन से क्रिकेट में रुचि थी लेकिन आईपीएल देखने और विराट कोहली से मिलने के बाद उन्होंने इसमें करियर बनाने के बारे में गंभीरता से सोचा। श्रेयांका के पिता राजेश पाटिल बिजनेसमैन हैं।

# चोट के कारण आईपीएल से बाहर हुआ रांची का क्रिस गेल, गुजरात टाइटंस ने मोटी रकम देकर खरीदा था

**रांची।**
आईपीएल 2024 का संस्करण 22 मार्च से शुरू हो रहा है। इस लेकर पहले चरण का शेड्यूल भी जारी कर दिया गया है। सभी टीमें प्लेईंग 11 को लेकर अपनी रणनीति बनाने में जुटी हैं। वहीं झारखंड के ट्राइबल क्रिकेटर रॉबिन मिंज आईपीएल 2024 के पहले चरण से बाहर हो गए हैं। दरअसल रांची के रहने वाले और रॉबिन मिंज अपने शहर रांची में ही 3 मार्च को बाइक से गिरने की वजह से चोटिल हो गए थे।

इसकारण उनके पैर और कंधे में चोट लगी थी। हालांकि चोट के बाद रोबिन अपनी टीम गुजरात टाइटंस में शामिल हो गए थे, लेकिन प्रैक्टिस के दौरान उनकी चोट उभर कर सामने आने लगी। जांच के बाद अब रोबिन के आईपीएल के पहले चरण से बाहर होने की खबरें आने लगी, हालांकि बताया जा रहा है की रॉबिन आईपीएल 2024 के पूरे संस्करण में नहीं खेल पाएंगे।बता दें कि रॉबिन को गुजरात टाइटंस ने नीलामी के दौरान 3.60 करोड़ में खरीदा था।

हालांकि कुछ दिन पहले ही गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा का बयान खूब वायरल हो रहा था जिसमें उन्होंने रोबिन के आईपीएल से बाहर होने की खबरों की पुष्टि की थी। दरअसल छक्के लगाने में माहिर रॉबिन के आईपीएल से बाहर होने से उनके

झारखंड के फैंस बेहद मायूस हैं, क्योंकि इन सभी को उम्मीद थी कि आईपीएल में रॉबिन के बल्ले का जादू उन्हें देखने को मिलेगा।

रॉबिन विकेटकीपर होने के साथ-साथ बांए हाथ के बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं धोनी भी उनकी बल्लेबाजी की जमकर तारीफ कर चुके हैं। रॉबिन को रांची का क्रिस गेल कहा जाता है। क्योंकि मैदान पर छक्के लगाना उन्हें बेहद पसंद है। रोबिन के पिता रांची एयरपोर्ट पर सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं।

# गणपति के आगे नतमस्तक हुए दिग्गज बॉक्सर फ्लॉयड मेवेदर, मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

**मुंबई।**
दुनिया के बेहतरीन और दिग्गज मुक्केबाजों में शुमार फ्लॉयड मेवेदर जूनियर फिलहाल भारत के यात्रा पर हैं। उन्होंने मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। इतना ही नहीं उन्होंने वहां फल और शॉल भी भगवान को चढ़ाया। इसके बाद पंडितों ने उन्हें प्रसाद की एक टोकरी दी और साथ ही शॉल उनके गले में लपेट दिया। मेवेदर ने गणपति बप्पा के दरबार में सिर झुकाकर प्रणाम किया।

### भारत आकर काफी उत्साहित हैं मेवेदर

मेवेदर भारत आकर काफी उत्साहित हैं और उन्होंने कहा था कि वह इस साल भारत में एक प्रदर्शन मुकाबला खेलना चाहते हैं। 47 साल के मेवेदर ने देश विदेश में मुक्केबाजी में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। प्रोफेशनल बॉक्सिंग में उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। उनका रिकॉर्ड फिलहाल 50-0 का है। इसमें से 27 मुकाबले नॉकआउट के रहे हैं। भारत में खेलने की इच्छा जता चुके हैं मेवेदर भारत में खेलने की अपनी इच्छा को लेकर मेवेदर ने कहा- बेशक यह संभव है। हम एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी की तलाश कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह एक भारतीय मुक्केबाज से भिड़ने को तैयार हैं उन्होंने कहा- मेरी टीम है। वह अपना काम कर रही है। इसमें समय लगेगा, लेकिन हम सर्वश्रेष्ठ प्रतिद्वंद्वी चुनेंगे। हम नहीं जानते कि प्रतिद्वंद्वी भारत से होगा या किसी और देश से। कई खिताब जीत चुके हैं मेवेदर अमेरिका के रहने वाले मेवेदर के नाम 15 विश्व चैंपियनशिप खिताब और लाइनियल चैंपियनशिप खिताब हैं। उन्होंने 2017 में संन्यास लिया था और इसके बाद वह कई प्रदर्शन मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 1996 ओलंपिक में फेदरवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने तीन बार अमेरिकी गोल्डन ग्लव्स खिताब जीते (लाइट फ्लाईवेट, फ्लाईवेट और फेदरवेट में)। मेवेदर अपनी गति, सहनशक्ति, रक्षा और अपनी शानदार योजना के लिए जाने जाते हैं। 2017 में उन्होंने प्रदर्शन मैच में रिंग में वापसी की थी।

# दुनिया की दूसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी सबालेंका के बॉयफ्रेंड की मौत, 42 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

**मियामी।**
टेनिस जगत से एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुनिया की दूसरे नंबर की टेनिस खिलाड़ी बेलारूस के बॉयफ्रेंड कॉन्सटैंटिन कोल्तसोव की मौत हो गई है। कोल्तसोव बेलारूस टीम के पूर्व आइस हॉकी खिलाड़ी हैं। उनका करीब 18 साल का करियर रहा था। वह नेशनल हॉकी लीग में पीट्सबर्ग पेंग्विन्स के लिए तीन सीजन खेल चुके हैं। वह 2002 से 2006 तक इस टीम का हिस्सा रहे थे। इसके साथ ही 2002 और 2010 में विंटर ओलंपिक में बेलारूस टीम का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

2016 में अपने प्रोफेशनल करियर को खत्म करने के बाद उन्होंने कई टीमों के लिए कोचिंग भी की। हाल फिलहाल में वह कोन्टिनेंटल हॉकी लीग में सलावात यूलाएव उफा टीम के असिस्टेंट कोच भी रही थे। 2022 से 2024 तक उन्होंने इस पद को संभाला था। हालांकि,

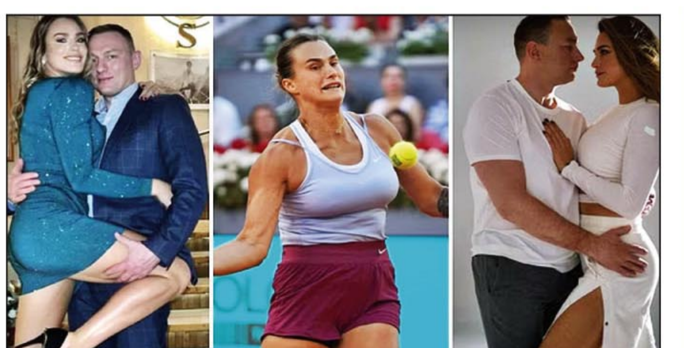

अब तक यह पता नहीं चल सका है कि कोल्तसोव औपर सबालेंका के बीच रिलेशनशिप कैसे शुरू हुआ था, लेकिन दोनों 2021 से साथ हैं। दोनों ने जून 2021 में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक कर दिया था। दोनों सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते थे। कोल्तसोव सबालेंका से 17 साल बड़े थे।

सबालेंका फिलहाल मियामी ओपन का हिस्सा हैं और इस टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता प्राप्त हैं। कोल्तसोव हाल ही में सबालेंका से मियामी में मिले भी थे और मियामी ओपन के लिए उनका उत्साह बढ़ाया था। हालांकि, अब बेलारूस और रूस के मीडिया रिपोर्ट्स में कोल्तसोव की मौत की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोल्तसोव की मियामी में ही मौत हुई है, लेकिन इसका कारण अब तक सामने नहीं आ सका है। कोल्तसोव की कोचिंग में खेल चुकी सलावात यूलाएव टीम ने एक स्टेटमेंट जारी किया है और उन्होंने अपने पूर्व कोच को श्रद्धांजलि दी है। टीम का कहना है कि वह इस खबर से चौंक गए हैं। साथ ही इस मुश्किल घड़ी में उनके दोस्तों और परिवार वालों को सहानुभूति दी है।

क्लब ने लिखा- गहरे दुख के साथ हम आपको सूचित कर रहे हैं कि सलावात यूलाएव कोच कोल्तसोव का निधन हो गया है। वह एक मजबूत और हंसमुख व्यक्ति थे। उन्हें खिलाड़ियों, सहकर्मियों और फैंस द्वारा प्यार और सम्मान दिया जाता था। कोल्तसोव ने हमेशा के लिए खुद को हमारे क्लब के इतिहास में दर्ज कर लिया है। यूलाएव के हिस्से के रूप में कोल्तसोव ने रूसी चैंपियनशिप और गगारिन कप जीता और टीम के कोचिंग स्टाफ के रूप में बहुत अच्छा काम किया।

### पीएसएल में ड्रेसिंग रूम में बैठकर सिगरेट पीते हुए नजर आए इमाद वसीम

**लाहौर।** पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में इस्लामाबाद युनाइटेड की ओर से खेल रहे इमाद वसीम ने मुल्तान सुल्तान्स के खिलाफ अच्छे गेंदबाजी कर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई पर इस दौरान वह विवादों में भी फंस गये। इस मैच में अंतिम गेंद पर चौका लगाकर इस्लामाबाद ने मुल्तान को 2 विकेट से हरा दिया। इमाद ने इस मैच में 5 विकेट लेने के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की पर अपने ओवर पूरे करने के बाद वह ड्रेसिंग रूम में सिगरेट पीते नजर आये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। इस प्रकार सिगरेट पीने वाले इमाद वसीम एकमात्र खिलाड़ी नहीं हैं। इससे पहले भी कई खिलाड़ियों को ऐसा करते हुए देखा गया है। इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी इसी प्राकर सिगरेट पीते दिखे थे। स्टोक्स को 2019 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में सिगरेट पीते देखा गया था। इसमें तब मेजबान इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मैच बराबरी पर रहा था। पाई। ऐसे में हुए सुपन ओवर में इंग्लैंड को 241 रन तक पहुंचाने में स्टोक्स ने अहम भूमिका निभाई थी। तब सुपर ओवर से पहले जब वह ड्रेसिंग रूम में लौटे तो माहौल काफी ज्यादा तनावपूर्ण था। हर कोई दबाव में था। उस समय स्टोक्स सिगरेट के कश लगाते देखा गया था। उन्होंने मॉर्गन मेन: द इंसाइड स्टोरी ऑफ इंग्लैंड राइज फ्रॉम क्रिकेट वर्ल्ड कप ह्यूमिलिएशन टू ग्लोरी नाम की किताब में इस बात का खुलासा किया है। तब स्टोक्स को सुपर ओवर से पहले ड्रेसिंग रूम के पीछे जाकर शावर एरिया में एक सिगरेट पी थी।

# फ्रिज का नहीं, पीएं मटके का पानी

पानी का हमारे जीवन में काफी महत्व है। दिन में एक बार खाने के बिना तो रहा जा सकता है लेकिन पानी के बिना रहना काफी मुश्किल होता है। आजकल ज्यादातर घरों में पानी को साफ करने के लिए फिल्टर लगे होते हैं। गर्मी के मौसम में पानी को ठंडा करने के लिए फ्रिज का इस्तेमाल किया जाता है लेकिन फ्रिज का पानी पीने से जोड़ों की समस्या हो जाती है और ज्यादा ठंडा पानी पीने से गला खराब हो जाता है तो ऐसे में फ्रिज की जगह मटके का इस्तेमाल कर सकते हैं जिसमें पानी रखने से वह ठंडा भी हो जाएगा और फिल्टर करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। इसके अलावा मटके का पानी पीने से सेहत को कई फायदे भी होते हैं।

- फ्रिज में रखा पानी पीने से सेहत को कई तरह के नुकसान होते हैं ऐसे में मटके में पानी रखना चाहिए। इससे पानी ठंडा रहता है और इससे शरीर को कई फायदे भी होते हैं।

फ्रिज में पानी को ठंडा करने के लिए उसे प्लास्टिक की बोतलों में रखा जाता है जिससे प्लास्टिक की अशुद्धियां पानी में इकठ्ठी हो जाती हैं जिससे कई तरह की बीमारियां होने का खतरा रहता है। इससे बचने के लिए मिट्टी के घड़े का इस्तेमाल करना बेहतर रहता है।

- पुराने समय में पानी को साफ करने के लिए फिल्टर नहीं होते थे और लोग ज्यादातर मटकों में ही पानी भर कर रखते थे जिसमें पानी साफ और ठंडा रहता था। मिट्टी में कई रोगों से लड़ने की क्षमता होती है इसलिए मटके में रखा पानी पीने से शरीर बीमारियों से दूर रहता है।

- कई लोग खाने के तुरंत बाद पानी पी लेते हैं। गर्मियों में फ्रिज में रखा ज्यादा ठंडा पानी पीने से पेट की पाचन शक्ति खराब हो जाती है ऐसे में मिट्टी के घड़े में रखे पानी का इस्तेमाल करें।

गर्मियों में धूप से आकर पानी पीने की इच्छा होती है और व्यक्ति फ्रिज में से ठंडा पानी निकाल कर पी लेता है जिससे गले में खराश, सूजन और दर्द होने लगती है। ऐसे में फ्रिज की बजाए मटके का पानी पीने की आदत डालनी चाहिए।

वास्तु टिप्स

## नहीं लगता ऑफिस के काम में मन, ये टिप्स आजमाएं

यदि अपने ऑफिस में जाने के बाद काम करने का मन नहीं करता है या यूं कहें कि आप एनर्जेटिक फील नहीं करते हैं। आपके अंदर निराशा की भावना आती है, तो इसका सीधा सा मतलब है कि आपके कार्यस्थल पर नेगेटिव एनर्जी सक्रिय है, इसी वजह से आपको मनोवांछित की प्राप्ति नहीं हो रही है।

कार्यस्थल में पॉजिटिव एनर्जी विकसित करने केलिए एनर्जी सॉल्ट से 27 दिन तक पोंछा लगवाएं आपको वांछित परिणाम नजर आने लगेगा।

### यह भी आजमाएं...

- जब भी आपको किसी से व्यवसाय में बढ़ोतरी के संबंध में बात करनी है, तो फिर पूर्व में बैठकर करें।

- अगर जन्मतिथि में जल तत्व कमजोर है, तो उसे संतुलित करने के लिए डायरेटर के कमरे में सेलिंग चिप या डॉलफिन का चित्र लगाएं। इसके लिए आपको विशेषज्ञ की सलाह लेना चाहिए।

डायरेटर या मालिक की डेट ऑफ बर्थ ज्यादा प्रभावशाली नहीं है, तो उसके स्थान पर उसके पुत्र या पत्नी की जन्मतिथि का प्रयोग भी कर सकते हैं।

किसी भी व्यवसाय की सफलता में दिशाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दिशाओं से लाभ उठाने के लिए आप अपने प्रयोजन को ध्यान में रखें।

- अपने व्यवसाय की प्रकृति को भी ध्यान में रखना जरूरी है योंकि अगर आप ट्रेडिंग बिजनेस कर रहे हैं तो उसमें स्टॉक का विशेष महत्व है। बिजनेस में निश्चित सफलता के लिए अपने स्टॉक को दक्षिण व ऊेर पश्चिम दिशा में रखें।

- कंपनी के मालिक के बैठने की दिशा उसकी जन्मतिथि के अनुसार शुभ दिशा में हो तो बेहद अच्छा रहता है। इसमें जातक के व्यवसाय को भी देखना पड़ता है।

- व्यवसाय में सफलता के लिए ऊेर और ऊेर पश्चिम को सक्रिय रखें।

- धन एवं समृद्धि के देवता कुबेर का निवास ऊेर में है, इसलिए धन एवं समृद्धि को आकर्षित करने के लिए ऊेर और ऊेर- ऊेर पूर्व को संतुलित रखें। इसके लिए आप ऊेर दिशा में टेबल पर या फिर दीवार में बने आले पर कुबेर भगवान की मूर्ति लगा सकते हैं।

- किसी भी व्यवसाय, व्यापार को आरंभ करते हुए वास्तु दोषों से बचना है तो दुकान का उद्घाटन स्थिर लग्न में तथा ज्योतिष द्वारा चंद्र और नक्षत्र की सही स्थिति में निकलवाएं।

# ऐसे करेगा स्कूल बैग बैंग-बैंग

नई लास में आने के साथ ही बच्चे नई वॉटर बोटल, नया टिफिन और नए स्कूल बैग की डिमांड करने लगते हैं। आपको खासी दिक्कत पेश आती है बच्चों के लिए स्कूल बैग सिलेट करने में। योंकि बच्चा अपनी पसंद का बैग लेने की जिद करता है। ऐसे में आप भी ध्यान रखें और बच्चे को भी समझाएं यहां बताई गई बातें। स्कूल बैग खरीदते वक्त ध्यान रखने वाली जरूरी बातें...

### 1. साइज और स्पेस का हिसाब-किताब

बैग में अलग-अलग साइज की कॉपी-किताबें भरने की आपकी आदत को देखते हुए इनकी सेटिंग का इंतजाम होता है, इसे जरूर चेक कर लें। अगर हो सके तो बैग खरीदते वक्त कुछ बुस साथ ले जाएं और रख कर देख लें, वरना साल भर परेशान रहेंगे।

### 2. फुटकर सामान की फिक्सिंग

आपको स्कूल बैग में सिर्फ बुस ही नहीं बल्कि छुट्टे पैसे, पेन-पेंसिल, चाबी, चश्मा, कैप, ग्लव्स और टिफिन जैसी कई और चीजें भी रखनी होती हैं। अगर बैग के भीतर जिप वाले छोटे कंपार्टमेंट्स होंगे तो इस तरह की चीजें रखने में काफी सहूलियत होगी। अगर स्कूल में कंपार्टमेंट नहीं होंगे तो वह स्कूल बैग नहीं बल्कि बोरी हो जाएगा।

### 3. साइड पॉकेट के साइड इफेक्ट

स्कूल बैग में साइड पॉकेट बहुत काम की होती हैं। ये वॉटर बॉटल रखने के सबसे ज्यादा काम आती हैं। इसकी गहराई देख लें कि इसमें बॉटल फिट हो भी पाएगी या नहीं। भीतर बॉटल रखकर बुस भिगोने से अच्छा है कि अच्छी साइड पॉकेट वाला बैग खरीदें।

### 4. कंधे का हमसफर

बैग को लगातर कंधे पर टांगना पड़ता है। ऐसे में बेहतर होगा कि कंधों को सपोर्ट मिले। बाजार में ऐसा बैग ढूंढिए जिसमें अच्छा कुशन हो। अब ऐसे स्ट्रैप वाले बैग भी आते हैं जो वजन को इस तरह से दोनों कंधों पर ट्रांसफर करते हैं कि कंधे दर्द नहीं करते। स्ट्रैप को बढ़ाने घटाने की लिमिट भी अच्छी तरह से चेक कर लें।

### 5. सिलाई का साइंस

स्कूल बैग खरीदते वक्त इस साइंस को भी समझ लें कि बैग का मजबूत मटीरियल भी बिना अच्छी सिलाई के किसी काम का नहीं है। बैग के भीतर की तरफ देखें। कम से कम दोहरी सिलाई तो होनी ही चाहिए। इंटरलॉकिंग हो तो और भी बेहतर। अच्छी कंपनियां सिलाई वाली जगह के ऊपर अलग से मटीरियल लगा कर उसे लॉक कर देती हैं। इससे फटने का डर नहीं रहता।

### 6. 1 से बेहतर 2 रनर

बैग की जिप का हिस्सा, जिसे खींच कर जिप बंद करते हैं, उसे रनर कहते हैं। सस्ते बैगों में सिर्फ एक रनर होता है जबकि दो रनर इस्तेमाल के हिसाब से सहूलियत भरे होते हैं। एक रनर के टूट जाने पर दूसरा बैग को कारगर बनाए रखता है। जिप की क्वॉलिटी भी चेक कर लें। वैसे तो मेटलिक जिप सबसे मजबूत होती है। लेकिन आजकल अच्छी क्वॉलिटी की प्लास्टिक जिप भी आती है।

### 7. होना चाहिए वाटरप्रूफ

बारिश हो या किसी दोस्त की शरारत, पानी से बैग का गीला होना लाजमी है। ऐसे में बैग के भीतर का सारा सामान सेफ रहे, इसके लिए जरूरी है कि ऐसा बैग खरीदें जो वॉटरप्रूफ हो। अगर वॉटरप्रूफ बैग नहीं मिल रहा तो कोई बात नहीं। स्कूल बैग के लिए अलग से वॉटरप्रूफ कवर आते हैं, वह खरीद सकते हैं।

### 8. बैग में हो दम

स्कूल बैग जितने अच्छे मटीरियल का होगा, वह उतना ही मजबूत होगा और साल भर आपके जुल्मों को सह सकेगा। रैसीन और नायलॉन के बैग देखने में सुंदर तो लगते हैं, लेकिन ज्यादा वजन नहीं उठा पाते। इस लिहाज से कैनवस या पैराशूट लॉथ वाले बैग मजबूत साबित होते हैं।

### 9. बेस की बेसिक्स समझो

स्कूल बैग का बेस यानी कि नीचे का हिस्सा मजबूत होना बहुत जरूरी है। एक तो बैग का बैलेंस बनाए रखने के लिए यह जरूरी होता है और फिर पूरे बैग का वजन खुद पर झेल लेने के लिए भी इसका मजबूत होना जरूरी है। बेस को हाथ लगा कर दबा कर देखें। इसका दमदार होना जरूरी है।

### इनकी है धूम

मार्केट में तमाम तरह के बैग अपनी डिजाइन और लुस की वजह से पॉपुलर हो रहे हैं। इन ट्रेंडिंग बैग्स में से भी कोई चुन सकते हैं। अपने मनचाहे कार्टून कैरेटर वाले बैग भी ले सकते हैं। इनमें सबसे ज्यादा पॉपुलर हैः बैनटन, फ्रोजन, बैटमैन, छोटा भीम, डोरेमॉन, मिकी माउस और बार्बी बैग्स।

### ट्रॉली, स्लिंग का है जमाना

इन बैग्स को टांगने के अलावा ट्रॉली के सहारे भी खींचा भी जा सकता है। कुछ बैग्स कंधे पर सिर्फ एक स्ट्रैप के सहारे टांगे जाते हैं। इन्हें स्लिंग बैग कहते हैं।

### कुछ दमदार बैग कंपनियां और कीमत

कीमतः लोकल 500 रुपये से 1500 रुपये तक,

ब्रैंडेडः 800 रुपये से 2500 रुपये तक

Skybags, Fasttrack, Nike, American Tourister, Rebook, Wildcraft (इनके अलावा भी अच्छी कंपनियों के बैग मार्केट में मौजूद हैं)

रिलेशन

## बहुत कुछ कहता है दादा-दादी और पोता-पोती का रिश्ता

परिवार की अहमियत जिंदगी में सबसे ज्यादा होती है।लाइफ में कई बार उतार-चढ़ाव भी आते ही रहते हैं लेकिन इन सबसे राहत पाने के लिए सही सलाह तजूर्बेकार लोग ही दें सकते हैं। परिवार में जिंदगी जीने की समझ सबसे ज्यादा दादा-दादी को होती है। वह अपने पोता-पोती को मुसीबत के इन मुश्किल रास्तों में निकालने में बहुत मदद करते हैं। मां-बाप के रिश्ते की तरह की दादा-दादी के रिश्ते की भी बहुत अहमियत होती है।

हैल्दी लाइफ का सही सलाह देते हैं दादा-दादीः दादा-दादी अपने बच्चों को बहुत प्यार से पालते और जिंदगी में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता हैं। जितने खुश वह खुद के बच्चों को देखकर होते हैं उससे कहीं गुणा ज्यादा खुशी उनको अपने पोती-पोते की तरक्की से मिलती है। इनका रिश्ता भावनाओं के साथ भी पूरी तरह से जुडा होता है। जिस तरह वह अपने पोता-पोती का दुख नहीं देख सकते उसी तरह बच्चे भी उनके साथ समय बिताकर बहुत खुश होते हैं। वह हमेशा ही बच्चों को हैल्दी लाइफ जीने की सीख देते रहते हैं।

बच्चे जल्दी मानते है दादा-दादी की बात : बच्चों को उनके दादा-दादी खूब लाड-लड़ाते हैं। इनकी हर फरमाइश को भी पूरा करते हैं लेकिन इसके साथ ही वह उनको आगे बढ़ने के लिए भी प्रोत्साहित करते रहते हैं। वहीं बच्चों के पेरेंट्स उनको रोक-टोक कर काम करवाना चाहते हैं इसीलिए बच्चे दादा-दादी की बात ज्यादा जल्दी मानते हैं।

पेरेंट्स के रिश्ते को भी मजबूत बनाते हैं दादा-दादी : कई बार पेरेंट्स के आपसी रिश्तों में कुछ खट्टास आ जाती है। इससे बच्चों को भी परेशानी हो जाती है। इस मुश्किल समय में दादा-दादी बच्चों को उनके रिश्तों में आई दरार को भरने की सही सलाह देते हैं। जिससे यह अनमोल रिश्ते फिर से मजबूत हो जाते हैं।

## खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं

भारतीय लोग पूजा-पाठ में काफी विश्वास रखते हैं तो ऐसे में हर घर में सुबह-शाम अगरबेाी और धूपबेाी का इस्तेमाल किया जाता है। लोगों के अनुसार शाम के समय अगरबेाी जलाने से घर का वातावरण शुद्द होता है लेकिन कुछ घरों में इसका ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है जिससे कई बार शरीर को बीमारी होने का खतरा रहता है। अगरबेाी के धुएं से सांस की परेशानी हो जाती है। इसके अलावा अगरबेाी या धूपबेाी के धुएं से और भी कई समस्याएं हो सकती हैं जिसके बारे में लोगों को जरूर पता होना चाहिए।

1.कफः जिन घरों में अगरबेाी का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है वहां कई बीमरियां होने का खतरा रहता है। अगरबेाी के धुएं से कार्बनमोनोऑसाइड निकलती है जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इस धुएं में सांस लेने से कफ और छींकने की समस्या हो जाती है और छाती में रेशा और बलगम जम जाती है जिससे काफी परेशानी होती है।

2. अस्थमा :अगरबेाी या धूपबेाी के धुएं में अधिक देर तक सांस लेने से सांस की समस्या हो जाती है। इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑसाइड गैस शरीर में चली जाती है जिससे अस्थमा और सीओपीडी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

3.त्वचा और आंखे : ज्यादा देर तक अगरबेाी के धुएं में रहने से स्किन प्रॉलम हो जाती है और आंखों में भी जलन होने लगती है।

# उत्तराखंड की बेहद खूबसूरत जगह है पौड़ी

चारों तरफ पहाड़िया और बीच में है पौड़ी। ऊेराखंड की एक बेहद सुंदर जगह। चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरा ऊेराखंड का खूबसूरत हिल स्टेशन पौड़ी कंडोलिया पहाड़ियों की ढलानों पर स्थित है। इस जगह से आप बर्फ से ढकी ब्रंदा पूच, गंगोत्री ग्रुप, केदारनाथ, नीलकंठ, नंदादेवी और त्रिशूल वगैरह पहाड़ियों का खूबसूरत नजारा साफ देख सकते हैं। अगर इस जगह का असली आनंद लेना चाहते हैं, तो पैदल घूमें।

### एक नजर में

नजदीकी एयरपोर्ट : देहरादून का जॉली ग्रांट एयरपोर्ट।

ट्रेन से जाना चाहें, तोः नजदीकी रेलवे स्टेशन कोटद्वार है।

बस से जाना चाहें, तो : दूसरी बसों के अलावा आइएसबीटी से लग्जरी बसों की नाइट सर्विस भी है।

बेस्ट सीजन : मार्च से जून और सितंबर से नवंबर तक का वक्त।

## घूमने की जगहें

### बुबाखाल

यह छोटा सा पहाड़ी गांव है। इस गांव की लोकेशन और नेचरल यूटी पर्यटकों को अपनी ओर खींचती है। यह गांव 14 से 15 गांवों से जुड़ा है, जहां से कंडोलिया पहाड़ियों की ढलानों पर कई गांवों के लिए सड़कें निकलती हैं, जो दूर से सांप की तरह दिखाई देती हैं।

### चौखंभा व्यू पॉइंट

यह पहाड़ी चौकोर आकार की है, इसलिए इसे चौखंभा पहाड़ी कहा जाता है। यह पौड़ी से चार किलोमीटर दूर है, जहां से एक तरफ गंगोत्री ग्लेशियर, दूसरी तरफ नीलकंठ, नंदा देवी पहाड़ी आदि कई जगहों का खूबसूरत नजारा लिया जा सकता है। यहां के घने जंगल भी आपको बेहद लुभाएंगे।

### कंडोलिया मंदिर

यह स्थानीय देवता कंडोलिया को समर्पित है और इसे शिव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यहां साल में एक बार भंडारा आयोजित किया जाता है, जिसमें पौड़ी व आसपास की जगहों से हजारों लोग हिस्सा लेते हैं। यह मंदिर पौड़ी से 2 किलोमीटर दूर लैंसडाउन जाने वाली सड़क पर घने जंगल में बना है। यहां से सनसेट का खूबसूरत नजारा भी देखा जा सकता है।

### नाग मंदिर

नाग देवता का मंदिर बुबाखाल की रोड पर पौड़ी से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर है। मंदिर के रास्ते में आप हिमालयन रेंज का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं।

### कंकालेश्वर मंदिर

आठवीं शतोदी का यह मंदिर शिव, पार्वती, गणेश और कार्तिकेयन को समर्पित है। यह पौड़ी शहर में स्थित है। हालांकि यहां पहुंचने के लिए आपको खड़ी चढ़ाई चढ़नी होगी, लेकिन यहां आकर जो लुभावना दृश्य आप देखेंगे, वह आपकी सारी थकान भुला देगा। यहां पास के इदवाल रिज से आप तमाम चोटियों का और सेमोहिक दृश्य देख सकते हैं।

### रांसी

रांसी में पौड़ी का एकमात्र खेल स्टेडियम है और यह ऊेराखंड का सबसे ऊंचा स्टेडियम है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको लगभग आधा किलोमीटर की चढ़ाई चढ़नी पड़ती है। यहां आप पिकनिक इंजॉय कर सकते हैं या फिर चादर बिछाकर आराम से पक्षियों की चहचहाहट सुन सकते हैं।

### पिकनिक स्पॉट्स

रांसी, कंडोलिया, नाग देव, द्वारिखाल आदि यहां के कई खूबसूरत पिकनिक स्पॉट्स हैं। देवदार व चीड़ के जंगलों और झरनों के निकट आप अपने परिवार व दोस्तों के साथ क्वॉलिटी टाइम बिता सकते हैं।

## आसपास की जगहें

### श्रीनगर

अलकनंदा नदी के किनारे स्थित श्रीनगर पौड़ी से 30 किलोमीटर की दूरी पर है। यह जगह आपको हिल और प्लेन दोनों की फीलिंग देती है। नदी के किनारे आप पिकनिक मना सकते हैं या फिर लंबा सुकून भरा वक्त बिता सकते हैं। यहां केशोराय मठ, कमलेश्वर और शंकर मठ देख सकते हैं।

### खिरसू

पौड़ी से कंडोलिया पहाड़ियों पर नीचे की तरफ पैदल जाने पर 15 किलोमीटर की दूरी पर चीड़ के और देवदार जंगलों के बीच में बसा नजर आता है खिरसू। यह 1700 मीटर की ऊंचाई पर है और यहां से दूर-दूर की कई खूबसूरत पहाड़ियों का नजारा देखा जा सकता है। सर्दियों में यह जगह पूरी तरह बर्फ से ढकी रहती है। अगर आपका मन रात को ठहरने का है, तो पहले से ही टूरिस्ट रेस्ट हाउस या फॉरेस्ट रेस्ट हाउस की बुकिंग करवा लें।

### अडवानी

सड़क से जुड़े पौड़ी से 17 किलोमीटर दूर छोटा-सा गांव अडवानी गांव एक बेहतरीन पिकनिक स्पॉट है।

### ताराकुंड

अगर आप दूरबीन लेकर आए हैं और फटॉग्रफी के शौकीन हैं, तो खूबसूरत नजारों को देखने के लिए 2200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ताराकुंड जरूर जाएं। यहां एक मंदिर व छोटी लेक भी है। यहां तीज महोत्सव को काफी धूमधाम से मनाया जाता है, जिसमें स्थानीय निवासी पूजा करने यहां आते हैं।

रेसिपी

### सेमियां पायसम

सामग्री

2 1/2 कप दूध

2 टेबल-स्पून घी

2 टेबल-स्पून काजू के टुकड़े

1 टेबल-स्पून किशमिश

1/4 कप सेंवई

#### विधि

एक मोटे गहरे बर्तन में दूध डालकर, लगातार हिलाते हुए, उसकी मात्रा से 3/4 होने तक उबाल लें। एक तरफ रख दें। कढ़ाई में घी गरम करें, काजू और किशनिश डालकर मध्यम आंच पर 30 सेकेन्ड तक भून लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर एक तरफ रख दें। उसी कढ़ाई में, सेंवई डालकर, उनके सुनहरा होने तक लगातार हिलाते हुए भून लें। गरम दूध और शक्कर डालकर, लगातार हिलाते हुए, धीमी आंच पर सेंवई के पक जाने तक उबाल लें। इलायची पाउडर और केसर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तले हुए काजू और किशमिश से सजाकर इसे गरमा गरम या ठंडा परोसें।

### क्रिस्पी पनीर कटलेट

#### सामग्री

2 कप पनीर, - 1/2 कप चावल (पके हुए), 1/2 चम्मच हरी मिर्च (कटी हुई) 1/4 मैदा कप, नमक स्वादअनुसार, तेल तलने के लिए, 1/2 कप शिमला मिर्च(कटी हुई), 1/4 चम्मच धनिया(कटा हुआ), - कोटिंग के लिए ब्रेड क्रंब

#### विधि

सबसे पहले पनीर को कद्दुकस कर लें। अब कद्दुकस किए पनीर में चावल डाल कर मिक्स करें। अब उसमें मैदा, नमक, हरी धनिया, शिमला मिर्च और हरी मिर्च मिला कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इस मिश्रण के छोटे-छोटे कटलेट बना लें। उसके बाद कटलेट को ब्रेड क्रंब में लपेटें। अब पैन गर्म करें और तेल लगा कटलेट रखें। कटलेस को दोनों साइड से सेंक कर गोल्डन ब्राउन करें। पनीर कटलेट तैयार हैं। इन्हें हरी चटनी के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)